قرآن مجید

लफ़्ज़ी तरजुमा

eParah

سَيَقُولُ

पारा - 2

عَنْ قِبْلَتِهِمُ	وَلّٰىهُمْ	مَا	مِنَ النَّاسِ	السُّفَهَآءُ	سَيَقُوْلُ
उनके क़िबले से	फेर दिया उन्हें	किसने	लोगों में से	बेवक़ूफ़/नादान	अनक़रीब कहेंगे

وَالْمَغْرِبُ ؕ	الْمَشْرِقُ	لِّلّٰهِ	قُلْ	عَلَيْهَا ؕ	كَانُوْا	الَّتِىْ
और मग़रिब	मशरिक़	अल्लाह के लिए है	कह दीजिए	उस पर	थे वो	वो जो

وَكَذٰلِكَ	مُّسْتَقِيْمٍ (142)	صِرَاطٍ	اِلٰى	يَّشَآءُ	مَنْ	يَّهْدِىْ
और इसी तरह	सीधे के	रास्ते	तरफ़	वो चाहता है	जिसे	वो हिदायत देता है

عَلَى النَّاسِ	شُهَدَآءَ	لِّتَكُوْنُوْا	وَّسَطًا	اُمَّةً	جَعَلْنٰكُمْ
लोगों पर	गवाह	ताकि तुम हो जाओ	वस्त/दर्मियानी	एक उम्मत	बनाया हमने तुम्हें

الْقِبْلَةَ	جَعَلْنَا	وَمَا	شَهِيْدًا ؕ	عَلَيْكُمْ	الرَّسُوْلُ	وَيَكُوْنَ
उस क़िबले को	बनाया हमने	और नहीं	गवाह	तुम पर	रसूल	और हो जाए

الرَّسُوْلَ	يَّتَّبِعُ	مَنْ	لِنَعْلَمَ	اِلَّا	عَلَيْهَآ	كُنْتَ	الَّتِىْ
रसूल की	पैरवी करता है	कौन	ताकि हम जान लें	मगर	जिस पर	थे आप	वो जो

اِلَّا	لَكَبِيْرَةً	كَانَتْ	وَاِنْ	عَلٰى عَقِبَيْهِ ؕ	يَّنْقَلِبُ	مِمَّنْ
मगर	यक़ीनन बड़ी भारी	थी (ये बात)	और बिलाशुबा	अपनी दोनों एड़ियों पर	पलट जाता है	उससे जो

لِيُضِيْعَ	اللّٰهُ	كَانَ	وَمَا	اللّٰهُ ؕ	هَدَى	عَلَى الَّذِيْنَ
कि वो ज़ाया कर दे	अल्लाह	है	और नहीं	अल्लाह ने	हिदायत दी	उन पर (नहीं) जिन्हें

قَدْ	رَّحِيْمٌ (143)	لَرَءُوْفٌ	بِالنَّاسِ	اللّٰهَ	اِنَّ	اِيْمَانَكُمْ ؕ
तहक़ीक़	निहायत रहम करने वाला है	यक़ीनन शफ़ीक़ है	लोगों पर	अल्लाह	बेशक	ईमान तुम्हारा

قِبْلَةً	فَلَنُوَلِّيَنَّكَ	فِى السَّمَآءِ ۚ	وَجْهِكَ	تَقَلُّبَ	نَرٰى
उस क़िबले (की तरफ़)	पस अलबत्ता हम ज़रूर फेर देंगे आपको	आसमान की तरफ़	आपके चहरे का	बार-बार फिरना	हम देखते हैं

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَحَيْثُ مَا	الْحَرَامِ ط	الْمَسْجِدِ	شَطْرَ	وَجْهَكَ	فَوَلِّ	تَرْضٰهَا ص
और जहां कहीं	हराम के	मस्जिदे	तरफ़	अपने चहरे को	पस फेर लीजिए	आप राज़ी हो जाएंगे जिससे

اُوْتُوا	الَّذِيْنَ	وَاِنَّ	شَطْرَهٗ ط	وُجُوْهَكُمْ	فَوَلُّوْا	كُنْتُمْ
दिए गए	वो जो	और बेशक	तरफ़ उसके	अपने चेहरों को	पस फेर लो	हो तुम

اللّٰهُ	وَمَا	مِنْ رَّبِّهِمْ ط	الْحَقُّ	اَنَّهُ	لَيَعْلَمُوْنَ	الْكِتٰبَ
अल्लाह	और नहीं	उन के रब की तरफ़ से	हक़ है	बेशक वो	अलबत्ता वो जानते हैं	किताब

اُوْتُوا	الَّذِيْنَ	اَتَيْتَ	وَلَئِنْ	يَعْمَلُوْنَ 144	عَمَّا	بِغَافِلٍ
दिए गए	वो जो	लाएं आप (उनके पास)	और अलबत्ता अगर	वो अमल करते हैं	उससे जो	गाफ़िल

اَنْتَ	وَمَآ	قِبْلَتَكَ ج	تَبِعُوْا	مَّا	اٰيَةٍ	بِكُلِّ	الْكِتٰبَ
आप	और नहीं	आपके क़िबले की	वो पैरवी करेंगे	नहीं	निशानी	हर	किताब

بَعْضٍ ط	قِبْلَةَ	بِتَابِعٍ	بَعْضُهُمْ	وَمَا	قِبْلَتَهُمْ ج	بِتَابِعٍ
बाज़ के	क़िबले की	पैरवी करने वाला है	बाज़ उनका	और ना	उनके क़िबले की	पैरवी करने वाले

مِنَ الْعِلْمِ لا	جَآءَكَ	مَا	مِّنْ بَعْدِ	اَهْوَآءَهُمْ	اتَّبَعْتَ	وَلَئِنِ
इल्म में से	आ गया आपके पास	जो	बाद इसके	उनकी ख्वाहिशात की	पैरवी की आपने	और अलबत्ता अगर

الْكِتٰبَ	اٰتَيْنٰهُمُ	الَّذِيْنَ	لَّمِنَ الظّٰلِمِيْنَ 145	اِذًا	اِنَّكَ
किताब	दी हमने उन्हें	वो लोग जो	ज़रूर ज़ालिमों में से होंगे	तब	बेशक आप

وقف لازم

مِّنْهُمْ	فَرِيْقًا	وَاِنَّ	اَبْنَآءَهُمْ ط	يَعْرِفُوْنَ	كَمَا	يَعْرِفُوْنَهٗ
उनमें से	एक गिरोह (के लोग)	और बेशक	अपने बेटों को	वो पहचानते हैं	जैसा कि	वो पहचानते हैं उसे

مِنْ رَّبِّكَ	الْحَقُّ	يَعْلَمُوْنَ 146	وَهُمْ	الْحَقَّ	لَيَكْتُمُوْنَ
आपके रब की तरफ़ से है	हक़	वो जानते हैं	हालांकि वो	हक़ को	अलबत्ता वो छुपाते हैं

وقف منزل

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

17 ع 6 1

وقف النبي صلى الله عليه وسلم

هُوَ	وِّجْهَةٌ	وَلِكُلٍّ	مِنَ الْمُمْتَرِيْنَ ع (147)	فَلَا تَكُوْنَنَّ
वो	एक सिम्त है	और हर एक के लिए	शक करने वालों में से	पस हरगिज़ ना हो आप

يَاْتِ	تَكُوْنُوْا	اَيْنَ مَا	الْخَيْرٰتِ ط	فَاسْتَبِقُوا	مُوَلِّيْهَا
ले आएगा	तुम होगे	जहां कहीं भी	नेकियों में	पस सबक़त करो	(मुंह) फेरने वाला है उसकी तरफ़

قَدِيْرٌ (148)	شَيْءٍ	كُلِّ	عَلٰى	اللّٰهَ	اِنَّ	جَمِيْعًا ط	اللّٰهُ	بِكُمُ
खूब क़ुदरत रखने वाला है	चीज़ के	हर	ऊपर	अल्लाह	बेशक	सबको	अल्लाह	तुम्हें

الْحَرَامِ ط	الْمَسْجِدِ	شَطْرَ	وَجْهَكَ	فَوَلِّ	خَرَجْتَ	وَمِنْ حَيْثُ
हराम के	मस्जिदे	तरफ़	चेहरा अपना	तो फेर लीजिए	निकलें आप	और जहां कहीं से

عَمَّا	بِغَافِلٍ	اللّٰهُ	وَمَا	مِنْ رَّبِّكَ ط	لَلْحَقُّ	وَاِنَّهٗ
उससे जो	ग़ाफ़िल	अल्लाह	और नहीं है	आपके रब की तरफ़ से	अल्बत्ता हक़ है	और बेशक वो

شَطْرَ	وَجْهَكَ	فَوَلِّ	خَرَجْتَ	وَمِنْ حَيْثُ	تَعْمَلُوْنَ (149)
तरफ़	चेहरा अपना	तो फेर लीजिए	निकलें आप	और जहां कहीं से	तुम अमल करते हो

شَطْرَهٗ لا	وُجُوْهَكُمْ	فَوَلُّوْا	كُنْتُمْ	وَحَيْثُ مَا	الْحَرَامِ ط	الْمَسْجِدِ
तरफ़ उसके	अपने चेहरों को	तो फेर लो	हो तुम	और जहां कहीं भी	हराम के	मस्जिदे

الَّذِيْنَ	اِلَّا	حُجَّةٌ ق	عَلَيْكُمْ	لِلنَّاسِ	يَكُوْنَ	لِئَلَّا
उनके जिन्होंने	सिवाए	कोई हुज्जत	तुम पर	लोगों के लिए	हो	ताकि ना

وَلِاُتِمَّ	وَاخْشَوْنِيْ ق	تَخْشَوْهُمْ	فَلَا	مِنْهُمْ ق	ظَلَمُوْا
और ताकि मैं पूरी कर दूं	और डरो मुझसे	तुम डरो उनसे	तो ना	उनमें से	ज़ुल्म किया

فِيْكُمْ	اَرْسَلْنَا	كَمَآ	تَهْتَدُوْنَ (150) لا	وَلَعَلَّكُمْ	عَلَيْكُمْ	نِعْمَتِيْ
तुम में	भेजा हमने	जैसा कि	तुम हिदायत पा जाओ	और ताकि तुम	तुम पर	अपनी नेअमत

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

رَسُوْلًا	مِّنْكُمْ	يَتْلُوْا	عَلَيْكُمْ	اٰيٰتِنَا	وَيُزَكِّيْكُمْ
एक रसूल	तुम में से	वो तिलावत करता है	तुम पर	आयात हमारी	और वो पाक करता है तुम्हें

وَيُعَلِّمُكُمُ	الْكِتٰبَ	وَالْحِكْمَةَ	وَيُعَلِّمُكُمْ	مَّا	لَمْ	تَكُوْنُوْا
और वो तालीम देता है तुम्हें	किताब	और हिक्मत की	और वो तालीम देता है तुम्हें	उसकी जो	ना	थे तुम

تَعْلَمُوْنَ ؕ (151)	فَاذْكُرُوْنِيْٓ	اَذْكُرْكُمْ	وَاشْكُرُوْا لِيْ	وَلَا	تَكْفُرُوْنِ (152) ع
तुम इल्म रखते	पस याद करो मुझे	मैं याद करूंगा तुम्हें	और शुक्र करो मेरा	और ना	तुम नाशुक्री करो मेरी

ع 18 5 2 معانقة 3

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوا	اسْتَعِيْنُوْا	بِالصَّبْرِ	وَالصَّلٰوةِ ؕ	اِنَّ
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	तुम मदद मांगो	साथ सब्र	और नमाज़ के	बेशक

اللّٰهَ	مَعَ	الصّٰبِرِيْنَ (153)	وَلَا	تَقُوْلُوْا	لِمَنْ	يُّقْتَلُ
अल्लाह	साथ है	सब्र करने वालों के	और ना	तुम कहो	उन्हें जो	क़त्ल कर दिए जाऐं

فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	اَمْوَاتٌ ؕ	بَلْ	اَحْيَآءٌ	وَّلٰكِنْ	لَّا تَشْعُرُوْنَ (154)
अल्लाह के रास्ते में	कि मुर्दा हैं	बल्कि	(वो) ज़िंदा हैं	और लेकिन	नहीं तुम शऊर रखते

وَلَنَبْلُوَنَّكُمْ	بِشَيْءٍ	مِّنَ الْخَوْفِ	وَالْجُوْعِ	وَنَقْصٍ
और अलबत्ता हम ज़रूर आज़माऐंगे तुम्हें	साथ किसी भी चीज़ के	ख़ौफ़ से	और भूख से	और कमी (करके)

مِّنَ الْاَمْوَالِ	وَالْاَنْفُسِ	وَالثَّمَرٰتِ ؕ	وَبَشِّرِ	الصّٰبِرِيْنَ (155) ۙ
मालों से	और जानों से	और फलों से	और ख़ुश ख़बरी दे दीजिए	सब्र करने वालों को

الَّذِيْنَ	اِذَآ	اَصَابَتْهُمْ	مُّصِيْبَةٌ ۙ	قَالُوْٓا	اِنَّا	لِلّٰهِ	وَاِنَّآ
वो लोग जो	जब	पहुंचती है उन्हें	कोई मुसीबत	वो कहते हैं	बेशक हम	अल्लाह ही के लिए हैं	और बेशक हम

اِلَيْهِ	رٰجِعُوْنَ (156) ؕ	اُولٰٓئِكَ	عَلَيْهِمْ	صَلَوٰتٌ	مِّنْ رَّبِّهِمْ
तरफ़ उसी के	लौटने वाले हैं	यही वो लोग हैं	जिन पर	नवाज़िशें/इनायतें हैं	उनके रब की तरफ़ से

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَالْمَرْوَةَ	الصَّفَا	اِنَّ	الْمُهْتَدُوْنَ ﴿157﴾	هُمُ	وَاُولٰٓئِكَ	وَرَحْمَةٌ قف
और मरवह	सफ़ा	बेशक	जो हिदायत याफ़्ता हैं	वो	और यही लोग हैं	और रहमत है

فَلَا	اعْتَمَرَ	اَوِ	الْبَيْتَ	حَجَّ	فَمَنْ	اللّٰهِ ج	مِنْ شَعَآئِرِ
तो नहीं	उमरा करे	या	बैतुल्लाह का	हज करे	पस जो कोई	अल्लाह की	निशानियों में से हैं

خَيْرًا لا	تَطَوَّعَ	وَمَنْ	بِهِمَا ط	يَّطَّوَّفَ	اَنْ	عَلَيْهِ	جُنَاحَ
कोई नेकी	ख़ुशी से करे	और जो कोई	उन दोनों का	वो तवाफ़ (सई) करे	कि	उस पर	कोई गुनाह

مَآ	يَكْتُمُوْنَ	الَّذِيْنَ	اِنَّ	عَلِيْمٌ ﴿158﴾	شَاكِرٌ	اللّٰهَ	فَاِنَّ
उसे जो	छुपाते हैं	वो लोग जो	बेशक	ख़ूब जानने वाला है	क़द्रदान है	अल्लाह	तो बेशक

بَيَّنّٰهُ	مَا	مِنْ بَعْدِ	وَالْهُدٰى	مِنَ الْبَيِّنٰتِ	اَنْزَلْنَا
वाज़ेह कर दिया हमने उसे	जो	बाद इसके	और हिदायत में से	वाज़ेह निशानियों में से	नाज़िल किया हमने

وَيَلْعَنُهُمُ	اللّٰهُ	يَلْعَنُهُمُ	اُولٰٓئِكَ	فِى الْكِتٰبِ لا	لِلنَّاسِ
और लाअनत करते हैं उन पर	अल्लाह	लाअनत करता है उन पर	यही वो लोग हैं	किताब में	लोगों के लिए

وَبَيَّنُوْا	وَاَصْلَحُوْا	تَابُوْا	الَّذِيْنَ	اِلَّا	اللّٰعِنُوْنَ ﴿159﴾ لا
और वाज़ेह कर दिया	और इस्लाह की	तौबा की	उनके जिन्होंने	सिवाए	लाअनत करने वाले

الرَّحِيْمُ ﴿160﴾	التَّوَّابُ	وَاَنَا	عَلَيْهِمْ ج	اَتُوْبُ	فَاُولٰٓئِكَ
निहायत रहम करने वाला हूं	बहुत तौबा क़ुबूल करने वाला हूं	और मैं	उन पर	मैं महरबान होता हूं	तो यही वो लोग है

اُولٰٓئِكَ	كُفَّارٌ	وَهُمْ	وَمَاتُوْا	كَفَرُوْا	الَّذِيْنَ	اِنَّ
यही वो लोग हैं	काफ़िर थे	इस हाल में कि वो	और वो मर गए	कुफ़्र किया	वो जिन्होंने	बेशक

خٰلِدِيْنَ	اَجْمَعِيْنَ ﴿161﴾ لا	وَالنَّاسِ	وَالْمَلٰٓئِكَةِ	اللّٰهِ	لَعْنَةُ	عَلَيْهِمْ
हमेशा रहने वाले हैं	सबके सबकी	और लोगों की	और फ़रिश्तों की	अल्लाह की	लाअनत	उन पर है

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يُنْظَرُوْنَ ﴿162﴾	هُمْ	وَلَا	الْعَذَابُ	عَنْهُمُ	لَا يُخَفَّفُ	فِيْهَا ج
वो मोहलत दिए जाएंगे	वो	और ना	अज़ाब	उनसे	ना हल्का किया जाएगा	उसमें

الرَّحْمٰنُ	هُوَ	اِلَّا	اِلٰهَ	لَآ	وَّاحِدٌ ج	اِلٰهٌ	وَاِلٰهُكُمْ
जो बहुत महरबान है	वही	मगर	कोई इलाह (बर हक़)	नहीं	एक ही	इलाह है	और इलाह तुम्हारा

الَّيْلِ	وَاخْتِلَافِ	وَالْاَرْضِ	السَّمٰوٰتِ	فِيْ خَلْقِ	اِنَّ	الرَّحِيْمُ ﴿163﴾ ع
रात	और इख्तिलाफ़ में	और ज़मीन के	आसमानों	पैदा करने में	बेशक	निहायत रहम करने वाला है

ع 19 11 3

يَنْفَعُ	بِمَا	فِي الْبَحْرِ	تَجْرِيْ	الَّتِيْ	وَالْفُلْكِ	وَالنَّهَارِ
नफ़ा देता है	साथ उसके जो	समुन्दर में	चलती है	वो जो	और कश्तियों में	और दिन के

فَاَحْيَا	مِنْ مَّآءٍ	مِنَ السَّمَآءِ	اللّٰهُ	اَنْزَلَ	وَمَآ	النَّاسَ
फिर उसने ज़िंदा किया	पानी में से	आसमान से	अल्लाह ने	नाज़िल किया	और उसमें जो	लोगों को

مِنْ كُلِّ دَآبَّةٍ ص	فِيْهَا	وَبَثَّ	مَوْتِهَا	بَعْدَ	الْاَرْضَ	بِهِ
हर क़िस्म की जानदार मख़्लूक़	उसमें	और उसने फैला दी	उसकी मौत के	बाद	ज़मीन को	साथ उसके

السَّمَآءِ	بَيْنَ	الْمُسَخَّرِ	وَالسَّحَابِ	الرِّيٰحِ	وَّتَصْرِيْفِ
आसमान	दर्मियान	जो मुसख़्ख़र किए गए हैं	और बादलों में	हवाओं के	और फेरने में

مَنْ	وَمِنَ النَّاسِ	يَّعْقِلُوْنَ ﴿164﴾	لِّقَوْمٍ	لَاٰيٰتٍ	وَالْاَرْضِ
जो	और बाज़ लोग हैं	जो अक़्ल रखते हैं	उन लोगों के लिए	यक़ीनन निशानियां हैं	और ज़मीन के

اللّٰهِ ط	كَحُبِّ	يُّحِبُّوْنَهُمْ	اَنْدَادًا	اللّٰهِ	مِنْ دُوْنِ	يَّتَّخِذُ
अल्लाह से	जैसी मुहब्बत करना	वो मुहब्बत करते हैं उनसे	कई शरीक	अल्लाह के	सिवाए	बना लेते हैं

الَّذِيْنَ	يَرَى	وَلَوْ	لِّلّٰهِ ط	حُبًّا	اَشَدُّ	اٰمَنُوْٓا	وَالَّذِيْنَ
वो जिन्होंने	देख लें	और काश	अल्लाह से	मुहब्बत करने में	ज़्यादा शदीद हैं	ईमान लाए	और वो जो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَّ اَنَّ	جَمِيْعًا ۙ	لِلّٰهِ	الْقُوَّةَ	اَنَّ	الْعَذَابَ ۙ	يَرَوْنَ	اِذْ	ظَلَمُوْٓا
और बेशक	सारी की सारी	अल्लाह ही के लिए है	क़ुव्वत	बेशक	अज़ाब को	वो देखेंगे	जब	ज़ुल्म किया

مِنَ الَّذِيْنَ	اتُّبِعُوْا	الَّذِيْنَ	تَبَرَّاَ	اِذْ	الْعَذَابِ ﴿165﴾	شَدِيْدُ	اللّٰهَ
उनसे जिन्होंने	पैरवी किए गए	वो जो	बेज़ार होंगें	जब	अज़ाब (देने में)	सख़्त है	अल्लाह

وَقَالَ	الْاَسْبَابُ ﴿166﴾	بِهِمُ	وَتَقَطَّعَتْ	الْعَذَابَ	وَرَاَوُا	اتَّبَعُوْا
और कहेंगे	तमाम असबाब	उनके	और कट जाऐंगे	अज़ाब	और वो देख लेंगे	पैरवी की

كَمَا	مِنْهُمْ	فَنَتَبَرَّاَ	كَرَّةً	لَنَا	اَنَّ	لَوْ	اتَّبَعُوْا	الَّذِيْنَ
जैसा कि	उनसे	तो हम बेज़ार होते	एक मर्तबा लौटना	हमारे लिए होता	कि	काश	पैरवी की	वो जिन्होंने

حَسَرٰتٍ	اَعْمَالَهُمْ	اللّٰهُ	يُرِيْهِمُ	كَذٰلِكَ	مِنَّا ؕ	تَبَرَّءُوْا
हसरतें बना कर	आमाल उनके	अल्लाह	दिखाएगा उन्हें	इसी तरह	हमसे	वो बेज़ार हुए

20 ع 4 4

يٰٓاَيُّهَا النَّاسُ	مِنَ النَّارِ ﴿167﴾ ع	بِخٰرِجِيْنَ	هُمْ	وَمَا	عَلَيْهِمْ ؕ
ऐ लोगो	आग से	निकलने वाले	वो	और नहीं	उन पर

خُطُوٰتِ	تَتَّبِعُوْا	وَّلَا	طَيِّبًا ۖ	حَلٰلًا	فِي الْاَرْضِ	مِمَّا	كُلُوْا
क़दमों की	तुम पैरवी करो	और ना	पाकीज़ा	हलाल	ज़मीन में है	उससे जो	खाओ

بِالسُّوْٓءِ	يَاْمُرُكُمْ	اِنَّمَا	مُّبِيْنٌ ﴿168﴾	عَدُوٌّ	لَكُمْ	اِنَّهٗ	الشَّيْطٰنِ ؕ
बुराई का	वो हुक्म देता है तुम्हें	बेशक	खुल्लम-खुल्ला	दुश्मन है	तुम्हारे लिए	बेशक वो	शैतान के

وَاِذَا	تَعْلَمُوْنَ ﴿169﴾	لَا	مَا	عَلَى اللّٰهِ	تَقُوْلُوْا	وَاَنْ	وَالْفَحْشَآءِ
और जब	तुम जानते	नहीं	जो	अल्लाह पर	तुम कहो	और ये कि	और बेहयाई का

نَتَّبِعُ	بَلْ	قَالُوْا	اللّٰهُ	اَنْزَلَ	مَآ	اتَّبِعُوْا	لَهُمُ	قِيْلَ
हम पैरवी करेंगे	बल्कि	वो कहते हैं	अल्लाह ने	नाज़िल किया	उसकी जो	पैरवी करो	उन्हें	कहा जाता है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مَآ	اَلْفَيْنَا	عَلَيْهِ	اٰبَآءَنَا ؕ	اَوَلَوْ	كَانَ	اٰبَآؤُهُمْ	لَا يَعْقِلُوْنَ
उसकी जो	पाया हमने	जिस पर	अपने आबा ओ अजदाद को	क्या भला अगरचे	हों	आबा ओ अजदाद उनके	ना वो अक़्ल रखते

شَيْـًٔا	وَّلَا	يَهْتَدُوْنَ (170)	وَمَثَلُ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	كَمَثَلِ
कुछ भी	और ना	वो हिदायत याफ़्ता हों	और मिसाल	उनकी जिन्होंने	कुफ़्र किया	मानिंद मिसाल

الَّذِىْ	يَنْعِقُ	بِمَا	لَا يَسْمَعُ	اِلَّا	دُعَآءً	وَّنِدَآءً ؕ	صُمٌّۢ
उसके है जो	चीख़ कर पुकारता है	उसे जो	नहीं सुनता	मगर	पुकार	और आवाज़	बहरे

بُكْمٌ	عُمْىٌ	فَهُمْ	لَا يَعْقِلُوْنَ (171)	يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	كُلُوْا
गूंगे	अंधे हैं	पस वो	नहीं वो अक़्ल रखते	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	खाओ तुम

مِنْ طَيِّبٰتِ	مَا	رَزَقْنٰكُمْ	وَاشْكُرُوْا	لِلّٰهِ	اِنْ	كُنْتُمْ
पाकीज़ा चीज़ों में से	जो	अता कीं हमने तुम्हें	और शुक्र करो	अल्लाह का	अगर	हो तुम

اِيَّاهُ	تَعْبُدُوْنَ (172)	اِنَّمَا	حَرَّمَ	عَلَيْكُمُ	الْمَيْتَةَ	وَالدَّمَ
सिर्फ़ उसी की	तुम इबादत करते	बेशक	उसने हराम किया है	तुम पर	मुर्दार	और ख़ून

وَلَحْمَ	الْخِنْزِيْرِ	وَمَآ	اُهِلَّ	بِهٖ	لِغَيْرِ	اللّٰهِ ۚ	فَمَنِ	اضْطُرَّ
और गोश्त	ख़िंज़ीर का	और जो	पुकारा गया	उसको	वास्ते गैर	अल्लाह के	तो जो कोई	मजबूर किया गया

غَيْرَ	بَاغٍ	وَّلَا	عَادٍ	فَلَآ	اِثْمَ	عَلَيْهِ ؕ	اِنَّ	اللّٰهَ	غَفُوْرٌ
ना	सरकशी करने वाला हो	और ना	हद से बढ़ने वाला हो	तो नहीं	कोई गुनाह	उस पर	बेशक	अल्लाह	बहुत बख्शने वाला है

رَّحِيْمٌ (173)	اِنَّ	الَّذِيْنَ	يَكْتُمُوْنَ	مَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ	مِنَ الْكِتٰبِ
निहायत रहम करने वाला है	बेशक	वो जो	छुपाते हैं	उसे जो	नाज़िल किया	अल्लाह ने	किताब में से

وَيَشْتَرُوْنَ	بِهٖ	ثَمَنًا	قَلِيْلًا ۙ	اُولٰٓئِكَ	مَا	يَاْكُلُوْنَ
और वो ले लेते हैं	बदले उसके	क़ीमत	बहुत थोड़ी	यही लोग हैं	नहीं	वो खाते

©AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْقِيٰمَةِ	يَوْمَ	اللّٰهُ	يُكَلِّمُهُمُ	وَلَا	النَّارَ	اِلَّا	فِيْ بُطُوْنِهِمْ
क़यामत के	दिन	अल्लाह	कलाम करेगा उनसे	और नहीं	आग के	सिवाए	अपने पेटों में

الَّذِيْنَ	اُولٰٓئِكَ	اَلِيْمٌ ﴿174﴾	عَذَابٌ	وَّلَهُمْ	يُزَكِّيْهِمْ ۚ ۖ	وَلَا
जिन्होंने	यही वो लोग हैं	दर्दनाक	अज़ाब है	और उनके लिए	वो पाक करेगा उन्हें	और ना

فَمَآ اَصْبَرَهُمْ	بِالْمَغْفِرَةِ ۚ	وَالْعَذَابَ	بِالْهُدٰى	الضَّلٰلَةَ	اشْتَرَوُا
तो कितना सब्र है उनका	बदले मग़फ़िरत के	और अज़ाब को	बदले हिदायत के	गुमराही को	ख़रीद लिया

بِالْحَقِّ ؕ	الْكِتٰبَ	نَزَّلَ	اللّٰهَ	بِاَنَّ	ذٰلِكَ	عَلَى النَّارِ ﴿175﴾
साथ हक़ के	किताब को	नाज़िल किया	अल्लाह ने	बवजह उसके कि	ये	आग पर

ع 21 9 5

لَيْسَ	بَعِيْدٍ ﴿176﴾ ع	لَفِيْ شِقَاقٍ	فِي الْكِتٰبِ	اخْتَلَفُوْا	الَّذِيْنَ	وَاِنَّ
नहीं है	दूर की	अलबत्ता मुखालफ़त में हैं	किताब में	इख़्तिलाफ़ किया	वो जिन्होंने	और बेशक

وَلٰكِنَّ	وَالْمَغْرِبِ	الْمَشْرِقِ	قِبَلَ	وُجُوْهَكُمْ	تُوَلُّوْا	اَنْ	الْبِرَّ
और लेकिन	और मग़रिब के	मशरिक़	तरफ़	अपने चेहरों को	तुम फेर लो	कि	नेकी

وَالْكِتٰبِ	وَالْمَلٰٓئِكَةِ	وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ	بِاللّٰهِ	اٰمَنَ	مَنْ	الْبِرَّ
और किताब पर	और फ़रिश्तों पर	और आख़िरी दिन पर	अल्लाह पर	ईमान लाए	जो	नेकी (उसकी है)

وَالْيَتٰمٰى	ذَوِي الْقُرْبٰى	عَلٰى حُبِّهٖ	الْمَالَ	وَاٰتَى	وَالنَّبِيّٖنَ ۚ
और यतीमों को	क़राबतदारों को	उसकी मुहब्बत में	माल	और वो दे	और नबियों पर

وَاَقَامَ	وَفِي الرِّقَابِ ۚ	وَالسَّآئِلِيْنَ	وَابْنَ السَّبِيْلِ ۙ	وَالْمَسٰكِيْنَ
और वो क़ायम करे	और गर्दनें (छुड़ाने) में	और सवाल करने वालों को	और मुसाफ़िरों को	और मिस्कीनों को

عٰهَدُوْا ۚ	اِذَا	بِعَهْدِهِمْ	وَالْمُوْفُوْنَ	الزَّكٰوةَ ۚ	وَاٰتَى	الصَّلٰوةَ
वो अहद करें	जब	अपने अहद को	और जो पूरा करने वाले हैं	ज़कात	और वो अदा करे	नमाज़

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَالصّٰبِرِيْنَ	فِي الْبَاْسَآءِ	وَالضَّرَّآءِ	وَحِيْنَ	الْبَاْسِ ط	اُولٰٓئِكَ
और जो सब्र करने वाले है	तंगदस्ती में	और तकलीफ़ में	और वक़्त	जंग के	यही वो लोग हैं

الَّذِيْنَ	صَدَقُوْا ط	وَاُولٰٓئِكَ	هُمُ	الْمُتَّقُوْنَ (177)	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ
जिन्होंने	सच कहा	और यही लोग हैं	वो	जो मुत्तक़ी हैं	ऐ लोगो जो

اٰمَنُوْا	كُتِبَ	عَلَيْكُمُ	الْقِصَاصُ	فِي الْقَتْلٰى ط	اَلْحُرُّ	بِالْحُرِّ
ईमान लाए हो	लिख दिया गया	तुम पर	बदला लेना	मक़्तूलों (के बारे) में	आज़ाद	बदले आज़ाद के

وَالْعَبْدُ	بِالْعَبْدِ	وَالْاُنْثٰى	بِالْاُنْثٰى ط	فَمَنْ	عُفِيَ	لَهٗ
और गुलाम	बदले गुलाम के	और औरत	बदले औरत के	तो जो कोई	माफ़ कर दिया गया	उसको

مِنْ اَخِيْهِ	شَيْءٌ	فَاتِّبَاعٌۢ	بِالْمَعْرُوْفِ	وَاَدَآءٌ	اِلَيْهِ
उसके भाई(की तरफ़) से	कुछ भी	तो पैरवी करना है	साथ भले तरीक़े के	और अदा करना है	तरफ़ उसके

بِاِحْسَانٍ ط	ذٰلِكَ	تَخْفِيْفٌ	مِّنْ رَّبِّكُمْ	وَرَحْمَةٌ ط	فَمَنِ
साथ एहसान के	ये	तख़्फ़ीफ़/रिआयत है	तुम्हारे रब की तरफ़ से	और रहमत है	तो जो कोई

اعْتَدٰى	بَعْدَ	ذٰلِكَ	فَلَهٗ	عَذَابٌ	اَلِيْمٌ (178)	وَلَكُمْ
ज़्यादती करे	बाद	उसके	तो उसके लिए	अज़ाब है	दर्दनाक	और तुम्हारे लिए

فِي الْقِصَاصِ	حَيٰوةٌ	يّٰٓاُولِي الْاَلْبَابِ	لَعَلَّكُمْ	تَتَّقُوْنَ (179)	كُتِبَ
बदला लेने में	ज़िंदगी है	ऐ अक़्ल वालो	ताकि तुम	तुम बच जाओ	लिख दिया गया

عَلَيْكُمْ	اِذَا	حَضَرَ	اَحَدَكُمُ	الْمَوْتُ	اِنْ	تَرَكَ	خَيْرَا ۨ صلے ج
तुम पर	जब	आ जाए	तुम में से किसी एक को	मौत	अगर	वो छोड़ जाए	माल को

الْوَصِيَّةُ	لِلْوَالِدَيْنِ	وَالْاَقْرَبِيْنَ	بِالْمَعْرُوْفِ ج	حَقًّا	عَلَى
वसीअत करना	वालिदैन के लिए	और क़राबत दारों के लिए	भले तरीक़े से	ये हक़ है	ऊपर

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اِثْمُهٗ	فَاِنَّمَآ	سَمِعَهٗ	مَا	بَعْدَ	بَدَّلَهٗ	فَمَنْۢ	الْمُتَّقِيْنَ ﴿180﴾ ط
गुनाह उसका	तो बेशक	उसने सुना उसे	उसके जो	बाद	बदल दे उसे	तो जो कोई	मुत्तक़ी लोगों के

فَمَنْ	عَلِيْمٌ ﴿181﴾ ط	سَمِيْعٌ	اللّٰهَ	اِنَّ	يُبَدِّلُوْنَهٗ ط	عَلَى الَّذِيْنَ
तो जो कोई	ख़ूब जानने वाला है	ख़ूब सुनने वाला है	अल्लाह	बेशक	बदल देते हैं उसे	उन पर है जो

فَلَآ	بَيْنَهُمْ	فَاَصْلَحَ	اِثْمًا	اَوْ	جَنَفًا	مِنْ مُّوْصٍ	خَافَ
तो नहीं	दर्मियान उनके	तो वो इस्लाह करादे	गुनाह का	या	तरफ़दारी का	वसीअत करने वाले से	खौफ़ करे

22 ع 6 6

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	رَّحِيْمٌ ﴿182﴾ ع	غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	اِنَّ	عَلَيْهِ ط	اِثْمَ
ऐ लोगो जो	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	बेशक	उस पर	कोई गुनाह

عَلَى الَّذِيْنَ	كُتِبَ	كَمَا	الصِّيَامُ	عَلَيْكُمُ	كُتِبَ	اٰمَنُوْا
उन पर जो	लिख दिया गया था	जैसा कि	रोज़ा रखना	तुम पर	लिख दिया गया	ईमान लाए हो

كَانَ	فَمَنْ	مَّعْدُوْدٰتٍ ط	اَيَّامًا	تَتَّقُوْنَ ﴿183﴾ لا	لَعَلَّكُمْ	مِنْ قَبْلِكُمْ
हो	तो जो कोई	गिने-चुने	दिन हैं	मुत्तक़ी बन जाओ	ताकि तुम	तुमसे पहले थे

اُخَرَ ط	مِّنْ اَيَّامٍ	فَعِدَّةٌ	عَلٰى سَفَرٍ	اَوْ	مَّرِيْضًا	مِنْكُمْ
दूसरे	दिनों से	तो गिनती पूरी करना है	सफ़र पर	या	मरीज़	तुम में से

فَمَنْ	مِسْكِيْنٍ ط	طَعَامُ	فِدْيَةٌ	يُطِيْقُوْنَهٗ	وَعَلَى الَّذِيْنَ
फिर जो कोई	एक मिस्कीन का	खाना	फ़िदया है	ताक़त रखते हैं उसकी	और उन पर जो

خَيْرٌ	تَصُوْمُوْا	وَاَنْ	لَّهٗ ط	خَيْرٌ	فَهُوَ	خَيْرًا	تَطَوَّعَ
बेहतर है	तुम रोज़ा रखो	और ये कि	उसके लिए	बेहतर है	तो वो	कोई नेकी	ख़ुशी से करे

اُنْزِلَ	الَّذِيْٓ	رَمَضَانَ	شَهْرُ	تَعْلَمُوْنَ ﴿184﴾	كُنْتُمْ	اِنْ	لَّكُمْ
नाज़िल किया गया	वो है जो	रमज़ान का	महीना	तुम इल्म रखते	हो तुम	अगर	तुम्हारे लिए

© AL-HIND INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَالْفُرْقَانِ ۚ	مِّنَ الْهُدٰى	وَبَيِّنٰتٍ	لِّلنَّاسِ	هُدًى	الْقُرْاٰنُ	فِيْهِ
और फ़ुरक़ान की	हिदायत की	और वाज़ेह निशानियां है	लोगों के लिए	हिदायत है	क़ुरआन	उसमें

كَانَ	وَمَنْ	فَلْيَصُمْهُ ۗ	الشَّهْرَ	مِنْكُمُ	شَهِدَ	فَمَنْ
हो	और जो कोई	पस ज़रूर वो रोज़े रखे उसके	इस महीने में	तुम में से	हाज़िर/मौजूद हो	तो जो कोई

اللّٰهُ	يُرِيْدُ	اُخَرَ ۗ	مِّنْ اَيَّامٍ	فَعِدَّةٌ	عَلٰى سَفَرٍ	اَوْ	مَرِيْضًا
अल्लाह	चाहता है	दूसरे	दिनों से	तो गिनती पूरी करना है	सफ़र पर	या	मरीज़

الْعِدَّةَ	وَلِتُكْمِلُوا	الْعُسْرَ ۡ	بِكُمُ	يُرِيْدُ	وَلَا	الْيُسْرَ	بِكُمُ
गिनती को	और ताकि तुम मुकम्मल करो	तंगी	साथ तुम्हारे	चाहता	और नहीं	आसानी	साथ तुम्हारे

تَشْكُرُوْنَ ﴿185﴾	وَلَعَلَّكُمْ	هَدٰىكُمْ	مَا	عَلٰى	اللّٰهَ	وَلِتُكَبِّرُوا
तुम शुक्र अदा करो	और ताकि तुम	उसने हिदायत दी तुम्हें	उसके जो	ऊपर	अल्लाह की	और ताकि तुम बड़ाई बयान करो

اُجِيْبُ	قَرِيْبٌ ۗ	فَاِنِّىْ	عَنِّىْ	عِبَادِىْ	سَاَلَكَ	وَاِذَا
मैं जवाब देता हूं	क़रीब हूं	तो बेशक मैं	मेरे बारे में	मेरे बंदे	सवाल करें आपसे	और जब

وَلْيُؤْمِنُوْا	لِىْ	فَلْيَسْتَجِيْبُوْا	دَعَانِ ۙ	اِذَا	الدَّاعِ	دَعْوَةَ
और ज़रूर वो ईमान लाएं	मेरा	पस ज़रूर वो हुक्म मानें	वो दुआ करे मुझ से	जब	दुआ करने वाले की	दुआ का

الصِّيَامِ	لَيْلَةَ	لَكُمْ	اُحِلَّ	يَرْشُدُوْنَ ﴿186﴾	لَعَلَّهُمْ	بِىْ
रोज़े की	रात में	तुम्हारे लिए	हलाल किया गया	वो हिदायत पाएं	ताकि वो	मुझ पर

لِبَاسٌ	وَاَنْتُمْ	لَّكُمْ	لِبَاسٌ	هُنَّ	نِسَآئِكُمْ ۗ	اِلٰى	الرَّفَثُ
लिबास हो	और तुम	तुम्हारे लिए	लिबास हैं	वो	अपनी औरतों के	तरफ़	रग़बत करना

فَتَابَ	اَنْفُسَكُمْ	تَخْتَانُوْنَ	كُنْتُمْ	اَنَّكُمْ	اللّٰهُ	عَلِمَ	لَّهُنَّ ۗ
तो वो महरबान हुआ	अपने नफ़्सों से	तुम ख़्यानत करते	थे तुम	बेशक तुम	अल्लाह ने	जान लिया	उनके लिए

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَلَيْكُمْ	وَعَفَا	عَنْكُمْ ۚ	فَالْـٰٔنَ	بَاشِرُوهُنَّ	وَابْتَغُوا	مَا
तुम पर	और उसने दरगुज़र किया	तुमसे	पस अब	मुबाशिरत करो उनसे	और तलाश करो	जो

كَتَبَ	اللّٰهُ	لَكُمْ ۖ	وَكُلُوا	وَاشْرَبُوا	حَتّٰى	يَتَبَيَّنَ	لَكُمُ
लिखा	अल्लाह ने	तुम्हारे लिए	और खाओ	और पियो	यहां तक कि	वाज़ेह हो जाए	तुम्हारे लिए

الْخَيْطُ	الْاَبْيَضُ	مِنَ الْخَيْطِ الْاَسْوَدِ	مِنَ الْفَجْرِ ۖ	ثُمَّ	اَتِمُّوا
धागा	सफ़ेद	सियाह धागे से	फ़ज्र के (वक़्त)	फिर	तुम पूरा करो

الصِّيَامَ	اِلَى الَّيْلِ ۚ	وَلَا	تُبَاشِرُوهُنَّ	وَاَنْتُمْ	عٰكِفُونَ ۙ
रोज़े को	रात तक	और ना	तुम मुबाशिरत करो उनसे	इस हाल में कि तुम	एतकाफ़ करने वाले हो

فِي الْمَسٰجِدِ ۗ	تِلْكَ	حُدُودُ	اللّٰهِ	فَلَا	تَقْرَبُوهَا ۗ	كَذٰلِكَ
मस्जिदों में	ये	हुदूद हैं	अल्लाह की	तो ना	तुम क़रीब जाओ उनके	इसी तरह

يُبَيِّنُ	اللّٰهُ	اٰيٰتِهٖ	لِلنَّاسِ	لَعَلَّهُمْ	يَتَّقُونَ (187)	وَلَا	تَاْكُلُوْٓا
वाज़ेह करता है	अल्लाह	आयात अपनी	लोगों के लिए	ताकि वो	वो बच जाऐं	और ना	तुम खाओ

اَمْوَالَكُمْ	بَيْنَكُمْ	بِالْبَاطِلِ	وَتُدْلُوا	بِهَآ	اِلَى الْحُكَّامِ
अपने मालों को	आपस में	बातिल(तरीक़े) से	और (ना) तुम पहुंचाओ	उन्हें	तरफ़ हाकिमों के

ع 23 6 7

لِتَاْكُلُوا	فَرِيقًا	مِّنْ اَمْوَالِ	النَّاسِ	بِالْاِثْمِ	وَاَنْتُمْ	تَعْلَمُونَ (188) ع
ताकि तुम खाओ	एक हिस्सा	मालों में से	लोगों के	साथ गुनाह के	हालांकि तुम	तुम जानते हो

يَسْـَٔلُونَكَ	عَنِ الْاَهِلَّةِ ۖ	قُلْ	هِيَ	مَوَاقِيتُ	لِلنَّاسِ
वो सवाल करते हैं आपसे	नए चांदों के बारे में	कह दीजिए	वो	औक़ात मुक़र्ररह हैं	वास्ते लोगों के

وَالْحَجِّ ۗ	وَلَيْسَ	الْبِرُّ	بِاَنْ	تَاْتُوا	الْبُيُوتَ	مِنْ ظُهُورِهَا
और हज के	और नहीं है	नेकी	ये कि	तुम आओ	घरों को	उनकी पिछली तरफ़ है

وَلٰكِنَّ	الْبِرَّ	مَنِ	اتَّقٰى ج	وَأْتُوا	الْبُيُوْتَ	مِنْ أَبْوَابِهَا ص
और लेकिन	नेकी (उसकी है)	जो	तक़वा करे	और आओ तुम	घरों को	उनके दरवाज़ों से

وَاتَّقُوا	اللّٰهَ	لَعَلَّكُمْ	تُفْلِحُوْنَ (189)	وَقَاتِلُوْا	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ
और डरो	अल्लाह से	ताकि तुम	तुम फ़लाह पा जाओ	और जंग करो	अल्लाह के रास्ते में

الَّذِيْنَ	يُقَاتِلُوْنَكُمْ	وَلَا	تَعْتَدُوْا ط	إِنَّ	اللّٰهَ	لَا يُحِبُّ
उनसे जो	जंग करते हैं तुमसे	और ना	तुम ज़्यादती करो	बेशक	अल्लाह	नहीं पसंद करता

الْمُعْتَدِيْنَ (190)	وَاقْتُلُوْهُمْ	حَيْثُ	ثَقِفْتُمُوْهُمْ	وَأَخْرِجُوْهُمْ
ज़्यादती करने वालों को	और क़त्ल करो उन्हें	जहां भी	पाओ तुम उन्हें	और निकालो उन्हें

مِّنْ حَيْثُ	أَخْرَجُوْكُمْ	وَالْفِتْنَةُ	أَشَدُّ	مِنَ الْقَتْلِ ج	وَلَا
जहां से	उन्होंने निकाला तुम्हें	और फ़ितना	ज़्यादा सख़्त है	क़त्ल से	और ना

تُقٰتِلُوْهُمْ	عِنْدَ	الْمَسْجِدِ	الْحَرَامِ	حَتّٰى	يُقٰتِلُوْكُمْ	فِيْهِ ج	فَإِنْ
तुम लड़ो उनसे	पास	मस्जिदे	हराम के	यहां तक कि	वो लड़ें तुमसे	उसमें	फिर अगर

قٰتَلُوْكُمْ	فَاقْتُلُوْهُمْ ط	كَذٰلِكَ	جَزَاءُ	الْكٰفِرِيْنَ (191)	فَإِنِ	انْتَهَوْا
वो लड़ें तुमसे	तो क़त्ल करो उन्हें	यही है	बदला	काफ़िरों का	फिर अगर	वो बाज़ आ जाएं

فَإِنَّ	اللّٰهَ	غَفُوْرٌ	رَّحِيْمٌ (192)	وَقٰتِلُوْهُمْ	حَتّٰى	لَا	تَكُوْنَ
तो बेशक	अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है	बहुत रहम करने वाला है	और लड़ो उनसे	यहां तक कि	ना	रहे

فِتْنَةٌ	وَّيَكُوْنَ	الدِّيْنُ	لِلّٰهِ ط	فَإِنِ	انْتَهَوْا	فَلَا	عُدْوَانَ
कोई फ़ितना	और हो जाए	दीन	अल्लाह ही के लिए	फ़िर अगर	वो बाज़ आ जाएं	तो नहीं	कोई ज़्यादती

إِلَّا	عَلَى الظّٰلِمِيْنَ (193)	اَلشَّهْرُ	الْحَرَامُ	بِالشَّهْرِ	الْحَرَامِ	وَالْحُرُمٰتُ
मगर	ज़ालिमों पर	माहे	हराम	बदले माहे	हराम के	और हुरमतों का

© AL-FURQAN INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

قِصَاصٌ ط	فَمَنِ	اعْتَدٰى	عَلَيْكُمْ	فَاعْتَدُوْا	عَلَيْهِ	بِمِثْلِ	مَا
बदला है	तो जो कोई	ज़्यादती करे	तुम पर	तो ज़्यादती करो	उस पर	उसी तरह	जैसे

اعْتَدٰى	عَلَيْكُمْ ص	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ	وَاعْلَمُوْٓا	اَنَّ	اللّٰهَ	مَعَ
उसने ज़्यादती की	तुम पर	और डरो	अल्लाह से	और जान लो	बेशक	अल्लाह	साथ है

الْمُتَّقِيْنَ ﴿194﴾	وَاَنْفِقُوْا	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	وَلَا	تُلْقُوْا	بِاَيْدِيْكُمْ
मुत्तक़ी लोगों के	और खर्च करो	अल्लाह के रास्ते में	और ना	तुम डालो	अपने हाथों को

ع

اِلَى التَّهْلُكَةِ ۛ ۚ	وَاَحْسِنُوْا ۛ ۚ	اِنَّ	اللّٰهَ	يُحِبُّ	الْمُحْسِنِيْنَ ﴿195﴾
तरफ़ हलाकत के	और एहसान करो	बेशक	अल्लाह	मुहब्बत रखता है	एहसान करने वालों से

وَاَتِمُّوا	الْحَجَّ	وَالْعُمْرَةَ	لِلّٰهِ ط	فَاِنْ	اُحْصِرْتُمْ	فَمَا
और पूरा करो	हज	और उमरा को	अल्लाह के लिए	फिर अगर	घेर लिए जाओ तुम	तो जो

اسْتَيْسَرَ	مِنَ الْهَدْيِ ج	وَلَا	تَحْلِقُوْا	رُءُوْسَكُمْ	حَتّٰى	يَبْلُغَ
मयस्सर आए	क़ुर्बानी से (वो करलो)	और ना	तुम मुंडवाओ	अपने सरों को	यहां तक कि	पहुंच जाए

الْهَدْيُ	مَحِلَّهٗ ط	فَمَنْ	كَانَ	مِنْكُمْ	مَّرِيْضًا	اَوْ	بِهٖٓ
क़ुर्बानी	अपनी हलालगाह को	तो जो कोई	हो	तुम में से	मरीज़	या	उसे

اَذًى	مِّنْ رَّاْسِهٖ	فَفِدْيَةٌ	مِّنْ صِيَامٍ	اَوْ	صَدَقَةٍ	اَوْ
तकलीफ़ हो	उसके सर में	तो फ़िदया देना है	रोज़ों से	या	सदक़े से	या

نُسُكٍ ج	فَاِذَآ	اَمِنْتُمْ وقفة	فَمَنْ	تَمَتَّعَ	بِالْعُمْرَةِ	اِلَى الْحَجِّ
क़ुर्बानी से	पस जब	अमन में आ जाओ तुम	तो जो कोई	फ़ायदा उठाए	साथ उमरा के	हज तक

فَمَا	اسْتَيْسَرَ	مِنَ الْهَدْيِ ج	فَمَنْ	لَّمْ	يَجِدْ	فَصِيَامُ
तो जो भी	मयस्सर हो	क़ुर्बानी से (वो करले)	फिर जो कोई	ना	पाए	तो रोज़े रखना है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ثَلٰثَةِ	اَيَّامٍ	فِي الْحَجِّ	وَسَبْعَةٍ	اِذَا	رَجَعْتُمْ ؕ	تِلْكَ
तीन	दिनों के	हज में	और सात	जब	लौटो तुम	ये

عَشَرَةٌ	كَامِلَةٌ ؕ	ذٰلِكَ	لِمَنْ	لَّمْ	يَكُنْ	اَهْلُهٗ	حَاضِرِي
दस हैं	पूरे	ये	उसके लिए जो	ना	हों	उसके अहले ख़ाना	(पास) रहने वाले

الْمَسْجِدِ	الْحَرَامِ ؕ	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ	وَاعْلَمُوْٓا	اَنَّ	اللّٰهَ	شَدِيْدُ
मस्जिदे	हराम के	और डरो	अल्लाह से	और जान लो	बेशक	अल्लाह	सख़्त

الْعِقَابِ ﴿196﴾ ع	اَلْحَجُّ	اَشْهُرٌ	مَّعْلُوْمٰتٌ ۚ	فَمَنْ	فَرَضَ	فِيْهِنَّ
सज़ा वाला है	हज(के)	महीने	मालूम हैं	तो जो कोई	फ़र्ज़ कर ले	उनमें

24 ع 8 8

الْحَجَّ	فَلَا	رَفَثَ	وَلَا	فُسُوْقَ ۙ	وَلَا	جِدَالَ	فِي الْحَجِّ ؕ
हज को	तो ना	जिंसी गुफ्तगू करना	और ना	गुनाह करना	और ना	झगड़ा करना है	हज में

وَمَا	تَفْعَلُوْا	مِنْ خَيْرٍ	يَّعْلَمْهُ	اللّٰهُ ؕ	وَتَزَوَّدُوْا	فَاِنَّ
और जो भी	तुम करोगे	कोई नेकी	जान लेगा उसे	अल्लाह	और तुम ज़ादे राह ले लिया करो	पस बेशक

وقف النبی صلی اللہ علیہ وسلم

خَيْرَ	الزَّادِ	التَّقْوٰى ۫	وَاتَّقُوْنِ	يٰٓاُولِي الْاَلْبَابِ ﴿197﴾	لَيْسَ
बेहतरीन	ज़ादेराह	तक़वा है	और डरो मुझसे	ऐ अक़्ल वालो	नहीं है

عَلَيْكُمْ	جُنَاحٌ	اَنْ	تَبْتَغُوْا	فَضْلًا	مِّنْ رَّبِّكُمْ ؕ	فَاِذَآ
तुम पर	कोई गुनाह	कि	तुम तलाश करो	फ़ज़्ल	अपने रब की तरफ़ से	फिर जब

اَفَضْتُمْ	مِّنْ عَرَفٰتٍ	فَاذْكُرُوا	اللّٰهَ	عِنْدَ	الْمَشْعَرِ	الْحَرَامِ ۠
पलटो तुम	अरफ़ात से	तो ज़िक्र करो	अल्लाह का	पास	मशअरे	हराम के

وَاذْكُرُوْهُ	كَمَا	هَدٰىكُمْ ۚ	وَاِنْ	كُنْتُمْ	مِّنْ قَبْلِهٖ
और ज़िक्र करो उसका	जैसा कि	उसने रहनुमाई की तुम्हारी	और बेशक	थे तुम	इससे क़ब्ल

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

النَّاسُ	اَفَاضَ	مِنْ حَيْثُ	اَفِيْضُوْا	ثُمَّ	لَمِنَ الضَّآلِّيْنَ ﴿198﴾		
लोग	पलटते हैं	जहां से	तुम पलटो	फिर	अलबत्ता गुमराहों में से		
فَاِذَا	رَّحِيْمٌ ﴿199﴾	غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	اِنَّ	اللّٰهَ ؕ	وَاسْتَغْفِرُوا	
फिर जब	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	बेशक	अल्लाह से	और बख़्शिश मांगो	
اٰبَآءَكُمْ	كَذِكْرِكُمْ	اللّٰهَ	فَاذْكُرُوا	مَّنَاسِكَكُمْ	قَضَيْتُمْ		
अपने आबा ओ अजदाद का	जैसा कि ज़िक्र करना है तुम्हारा	अल्लाह का	तो ज़िक्र करो	अपने मनासिके हज	पूरे कर चुको तुम		
اٰتِنَا	رَبَّنَآ	يَّقُوْلُ	مَنْ	فَمِنَ النَّاسِ	ذِكْرًا ؕ	اَشَدَّ	اَوْ
दे हमें	ऐ हमारे रब	कहता है	जो	पस लोगों में से कोई है	ज़िक्र करना	ज़्यादा शदीद	या
وَمِنْهُمْ	مِنْ خَلَاقٍ ﴿200﴾	فِي الْاٰخِرَةِ	لَهٗ	وَمَا	فِي الدُّنْيَا		
और उनमें से कोई है	कोई हिस्सा	आख़िरत में	उसके लिए	और नहीं है	दुनिया में		
وَّفِي الْاٰخِرَةِ	حَسَنَةً	فِي الدُّنْيَا	اٰتِنَا	رَبَّنَآ	يَّقُوْلُ	مَّنْ	
और आख़िरत में	भलाई	दुनिया में	दे हमें	ऐ हमारे रब	कहता है	जो	
نَصِيْبٌ	لَهُمْ	اُولٰٓئِكَ	النَّارِ ﴿201﴾	عَذَابَ	وَّقِنَا	حَسَنَةً	
एक हिस्सा है	जिनके लिए	यही लोग हैं	आग के	अज़ाब से	और बचा हमें	भलाई	
اللّٰهَ	وَاذْكُرُوا	الْحِسَابِ ﴿202﴾	سَرِيْعُ	وَاللّٰهُ	كَسَبُوْا ؕ	مِّمَّا	
अल्लाह को	और याद करो	हिसाब	जल्द लेने वाला है	और अल्लाह	उन्होंने कमाया	उससे जो	
اِثْمَ	فَلَآ	فِيْ يَوْمَيْنِ	تَعَجَّلَ	فَمَنْ	مَّعْدُوْدٰتٍ ؕ	فِيْٓ اَيَّامٍ	
कोई गुनाह	तो नहीं	दो दिनों में	जल्दी करे	तो जो कोई	गिने-चुने	दिनों में	
اتَّقٰى ؕ	لِمَنِ	عَلَيْهِ ۙ	اِثْمَ	فَلَآ	تَاَخَّرَ	وَمَنْ	عَلَيْهِ ۚ
तक़वा करे	उसके लिए जो	उस पर	कोई गुनाह	तो नहीं	ताख़ीर करे	और जो कोई	उस पर

النصف

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَمِنَ النَّاسِ	تُحْشَرُونَ (203)	إِلَيْهِ	أَنَّكُمْ	وَاعْلَمُوٓا	اللّٰهَ	وَاتَّقُوا
और लोगों में से कोई है	तुम इकट्ठे किए जाओगे	तरफ़ उसी के	बेशक तुम	और जान लो	अल्लाह से	और डरो

عَلٰى	اللّٰهَ	وَيُشْهِدُ	الدُّنْيَا	فِي الْحَيٰوةِ	قَوْلُهٗ	يُّعْجِبُكَ	مَنْ
ऊपर	अल्लाह को	और वो गवाह बनाता है	दुनिया की	ज़िंदगी में	बात उसकी	ख़ुश करती है आपको	जो

تَوَلّٰى	وَإِذَا	الْخِصَامِ (204)	أَلَدُّ	وَهُوَ	فِي قَلْبِهٖ ۙ	مَا
वो मुंह मोड़ता है	और जब	झगड़ा करने में	सख़्त झगड़ालू है	हालांकि वो	उसके दिल में है	उसके जो

وَالنَّسْلَ ؕ	الْحَرْثَ	وَيُهْلِكَ	فِيْهَا	لِيُفْسِدَ	فِي الْأَرْضِ	سَعٰى
और नस्ल को	खेती	और वो हलाक करे	उसमें	ताकि वो फ़साद करे	ज़मीन में	वो कोशिश करता है

اللّٰهَ	اتَّقِ	لَهُ	قِيْلَ	وَإِذَا	الْفَسَادَ (205)	لَا يُحِبُّ	وَاللّٰهُ
अल्लाह से	डरो	उसे	कहा जाता है	और जब	फ़साद को	नहीं वो पसंद करता	और अल्लाह

الْمِهَادُ (206)	وَلَبِئْسَ	جَهَنَّمُ ؕ	فَحَسْبُهٗ	بِالْإِثْمِ	الْعِزَّةُ	أَخَذَتْهُ
ठिकाना	और अलबत्ता कितना बुरा है	जहन्नम	तो काफ़ी है उसे	गुनाह पर	इज़्ज़त	आमादा करती है उसे

اللّٰهِ ؕ	مَرْضَاتِ	ابْتِغَآءَ	نَفْسَهُ	يَّشْرِيْ	مَنْ	وَمِنَ النَّاسِ
अल्लाह की	रज़ा	चाहने के लिए	अपने नफ़्स को	बेचता है	जो	और लोगों में से कोई है

ادْخُلُوا	آمَنُوا	يٰٓأَيُّهَا الَّذِيْنَ	بِالْعِبَادِ (207)	رَءُوْفٌ	وَاللّٰهُ
दाख़िल हो जाओ	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	बंदों पर	बहुत शफ़ीक़ है	और अल्लाह

إِنَّهٗ	الشَّيْطٰنِ ؕ	خُطُوٰتِ	تَتَّبِعُوا	وَلَا	كَآفَّةً ۪	فِي السِّلْمِ
बेशक वो	शैतान के	क़दमों की	तुम पैरवी करो	और ना	पूरे के पूरे	इस्लाम में

جَآءَتْكُمُ	مَا	مِّنْ بَعْدِ	زَلَلْتُمْ	فَإِنْ	مُّبِيْنٌ (208)	عَدُوٌّ	لَكُمْ
आ गई तुम्हारे पास	जो	बाद इसके	फ़िसल जाओ तुम	फिर अगर	खुल्लम-खुल्ला	दुश्मन है	तुम्हारा

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْبَيِّنٰتُ	فَاعْلَمُوْٓا	اَنَّ	اللّٰهَ	عَزِيْزٌ	حَكِيْمٌ ﴿209﴾	هَلْ	يَنْظُرُوْنَ
वाज़ेह निशानियां	तो जान लो	बेशक	अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त है	ख़ूब हिक्मत वाला है	नहीं	वो इंतिज़ार कर रहे

اِلَّآ	اَنْ	يَّاْتِيَهُمُ	اللّٰهُ	فِيْ ظُلَلٍ	مِّنَ الْغَمَامِ	وَالْمَلٰٓئِكَةُ
मगर	ये कि	आ जाए उनके पास	अल्लाह	सायबानों में	बादलों के	और फ़रिश्ते

25 ع 14 9

وَقُضِيَ	الْاَمْرُ ؕ	وَاِلَى	اللّٰهِ	تُرْجَعُ	الْاُمُوْرُ ﴿210﴾ ع	سَلْ
और पूरा कर दिया जाए	काम	और तरफ़	अल्लाह ही के	लौटाए जाते हैं	सब काम	पूछ लीजिए

بَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ	كَمْ	اٰتَيْنٰهُمْ	مِّنْ اٰيَةٍۢ	بَيِّنَةٍ ؕ	وَمَنْ
बनी इस्राईल से	कितनी	दीं हमने उन्हें	निशानियां	वाज़ेह	और जो कोई

يُّبَدِّلْ	نِعْمَةَ	اللّٰهِ	مِنْۢ بَعْدِ	مَا	جَآءَتْهُ	فَاِنَّ	اللّٰهَ
बदल देगा	नेअमत को	अल्लाह की	बाद इसके	जो	आ गई उसके पास	तो बेशक	अल्लाह

شَدِيْدُ	الْعِقَابِ ﴿211﴾	زُيِّنَ	لِلَّذِيْنَ	كَفَرُوا	الْحَيٰوةُ	الدُّنْيَا
सख़्त	सज़ा वाला है	मुज़य्यन कर दी गई	उनके लिए जिन्होंने	कुफ़्र किया	ज़िदगी	दुनिया कि

وقف لازم

وَيَسْخَرُوْنَ	مِنَ الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا ۘ	وَالَّذِيْنَ	اتَّقَوْا	فَوْقَهُمْ
और वो मज़ाक़ करते हैं	उनसे जो	ईमान लाए	और वो जिन्होंने	तक़वा किया	ऊपर होंगे उनके

يَوْمَ	الْقِيٰمَةِ ؕ	وَاللّٰهُ	يَرْزُقُ	مَنْ	يَّشَآءُ	بِغَيْرِ	حِسَابٍ ﴿212﴾
दिन	क़यामत के	और अल्लाह	रिज़्क़ देता है	जिसे	वो चाहता है	बगैर	हिसाब के

كَانَ	النَّاسُ	اُمَّةً	وَّاحِدَةً قف	فَبَعَثَ	اللّٰهُ	النَّبِيّٖنَ	مُبَشِّرِيْنَ
थे	लोग	उम्मत	एक ही	फिर भेजा	अल्लाह ने	नबियों को	ख़ुशख़बरी देने वाले

وَمُنْذِرِيْنَ ص	وَاَنْزَلَ	مَعَهُمُ	الْكِتٰبَ	بِالْحَقِّ	لِيَحْكُمَ	بَيْنَ
और डराने वाले(बना कर)	और उसने नाज़िल की	उनके साथ	किताब	साथ हक़ के	ताकि वो फ़ैसला करे	दर्मियान

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

النَّاسِ	فِيْمَا	اخْتَلَفُوْا	فِيْهِ ط	وَمَا	اخْتَلَفَ	فِيْهِ	اِلَّا
लोगों के	उसमें जो	उन्होंने इख़्तिलाफ़ किया	जिसमें	और नहीं	इख़्तिलाफ़ किया	उसमें	मगर

الَّذِيْنَ	اُوْتُوْهُ	مِنْۢ بَعْدِ	مَا	جَآءَتْهُمُ	الْبَيِّنٰتُ	بَغْيًا
उन्होंने जो	दिए गए थे उसे	बाद उसके	जो	आईं उनके पास	वाज़ेह निशानियां	बवजह ज़िद के

بَيْنَهُمْ ج	فَهَدَى	اللّٰهُ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	لِمَا	اخْتَلَفُوْا
आपस में	तो हिदायत दी	अल्लाह ने	उन्हें जो	ईमान लाए	उसकी जो	उन्होंने इख़्तिलाफ़ किया

فِيْهِ	مِنَ الْحَقِّ	بِاِذْنِهٖ ط	وَاللّٰهُ	يَهْدِىْ	مَنْ	يَّشَآءُ	اِلٰى
उसमें	हक़ में से	अपने हुक्म से	और अल्लाह	हिदायत देता है	जिसे	वो चाहता है	तरफ़

صِرَاطٍ	مُّسْتَقِيْمٍ (213)	اَمْ	حَسِبْتُمْ	اَنْ	تَدْخُلُوا	الْجَنَّةَ	وَلَمَّا
रास्ते	सीधे के	क्या	ख़्याल किया तुमने	कि	तुम दाख़िल हो जाओगे	जन्नत में	हालांकि नहीं

يَاْتِكُمْ	مَّثَلُ	الَّذِيْنَ	خَلَوْا	مِنْ قَبْلِكُمْ ط	مَسَّتْهُمُ	الْبَاْسَآءُ
आई तुम्हारे पास	मिसाल	उनकी जो	गुज़र चुके	तुमसे पहले	पहुंची उन्हें	सख़्तियां

وَالضَّرَّآءُ	وَزُلْزِلُوْا	حَتّٰى	يَقُوْلَ	الرَّسُوْلُ	وَالَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا
और मुसीबतें	और वो हिला दिए गए	यहां तक कि	कहने लगा	रसूल	और वो जो	ईमान लाए

مَعَهٗ	مَتٰى	نَصْرُ	اللّٰهِ ط	اَلَآ	اِنَّ	نَصْرَ	اللّٰهِ	قَرِيْبٌ (214)
साथ उसके	कब(आएगी)	मदद	अल्लाह की	ख़बरदार	बेशक	मदद	अल्लाह की	क़रीब है

يَسْـَٔلُوْنَكَ	مَاذَا	يُنْفِقُوْنَ ؕ	قُلْ	مَآ	اَنْفَقْتُمْ	مِّنْ خَيْرٍ
वो सवाल करते हैं आपसे	क्या कुछ	वो खर्च करें	कह दीजिए	जो	खर्च करो तुम	माल में से

فَلِلْوَالِدَيْنِ	وَالْاَقْرَبِيْنَ	وَالْيَتٰمٰى	وَالْمَسٰكِيْنِ	وَابْنِ السَّبِيْلِ ط
तो वालिदैन के लिए है	और क़राबतदारों	और यतीमों	और मिस्कीनों	और मुसाफ़िर के लिए है

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَمَا	تَفْعَلُوْا	مِنْ خَيْرٍ	فَاِنَّ	اللّٰهَ	بِهٖ	عَلِيْمٌ (215)	كُتِبَ
और जो भी	तुम करोगे	नेकी में से	तो बेशक	अल्लाह	उसे	ख़ूब जानने वाला है	लिख दिया गया

عَلَيْكُمُ	الْقِتَالُ	وَهُوَ	كُرْهٌ	لَّكُمْ ج	وَعَسٰٓى	اَنْ	تَكْرَهُوْا
तुम पर	जंग करना	और वो	नापसंदीदा है	तुम्हारे लिए	और हो सकता है	कि	तुम नापसंद करो

شَيْـًٔا	وَّهُوَ	خَيْرٌ	لَّكُمْ ج	وَعَسٰٓى	اَنْ	تُحِبُّوْا	شَيْـًٔا
किसी चीज़ को	और वो	बेहतर हो	तुम्हारे लिए	और हो सकता है	कि	तुम पसंद करो	किसी चीज़ को

26 ع 6 10

وَّهُوَ	شَرٌّ	لَّكُمْ ط	وَاللّٰهُ	يَعْلَمُ	وَاَنْتُمْ	لَا تَعْلَمُوْنَ (216) ع
और वो	बुरी हो	तुम्हारे लिए	और अल्लाह	जानता है	और तुम	नहीं तुम जानते

يَسْـَٔلُوْنَكَ	عَنِ الشَّهْرِ الْحَرَامِ	قِتَالٍ	فِيْهِ ط	قُلْ	قِتَالٌ
वो सवाल करते हैं आपसे	हराम महीने के बारे में	जंग करना	उसमें (कैसा है)	कह दीजिए	जंग करना

فِيْهِ	كَبِيْرٌ ط	وَصَدٌّ	عَنْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	وَكُفْرٌۢ	بِهٖ
उसमें	बड़ा (गुनाह है)	और रोकना	अल्लाह के रास्ते से	और कुफ़्र करना	उसका

وَالْمَسْجِدِ الْحَرَامِ ق	وَاِخْرَاجُ	اَهْلِهٖ	مِنْهُ	اَكْبَرُ	عِنْدَ اللّٰهِ ج
और (रोकना) मस्जिदे हराम से	और निकालना	उसके रहने वालों को	उससे	ज़्यादा बड़ा(गुनाह) है	अल्लाह के नज़दीक

وَالْفِتْنَةُ	اَكْبَرُ	مِنَ الْقَتْلِ ط	وَلَا يَزَالُوْنَ	يُقَاتِلُوْنَكُمْ	حَتّٰى
और फ़ितना	ज़्यादा बड़ा है	क़त्ल से	और वो हमेशा रहेंगे	जंग करते तुमसे	यहां तक कि

يَرُدُّوْكُمْ	عَنْ دِيْنِكُمْ	اِنِ	اسْتَطَاعُوْا ط	وَمَنْ	يَّرْتَدِدْ	مِنْكُمْ
वो फेर दें तुम्हें	तुम्हारे दीन से	अगर	वो इस्तिताअत रखें	और जो कोई	फिर जाए	तुममें से

عَنْ دِيْنِهٖ	فَيَمُتْ	وَهُوَ	كَافِرٌ	فَاُولٰٓئِكَ	حَبِطَتْ	اَعْمَالُهُمْ
अपने दीन से	फिर वो मर जाए	इस हाल में कि वो	काफ़िर हो	तो यही लोग हैं	ज़ाया हो गए	आमाल उनके

AL HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

فِي الدُّنْيَا	وَالْاٰخِرَةِ ج	وَاُولٰٓئِكَ	اَصْحٰبُ	النَّارِ ج	هُمْ	فِيْهَا
दुनिया में	और आख़िरत में	और यही लोग है	साथी	आग के	वो	उसमें

خٰلِدُوْنَ ﴿217﴾	اِنَّ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	وَالَّذِيْنَ	هَاجَرُوْا	وَجٰهَدُوْا
हमेशा रहने वाले है	बेशक	वो जो	ईमान लाए	और वो जिन्होंने	हिजरत की	और जिहाद किया

فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ لا	اُولٰٓئِكَ	يَرْجُوْنَ	رَحْمَتَ اللّٰهِ ط	وَاللّٰهُ	غَفُوْرٌ
अल्लाह के रास्ते में	यही लोग हैं	जो उम्मीद रखते हैं	अल्लाह की रेहमत की	और अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है

رَّحِيْمٌ ﴿218﴾	يَسْـَٔلُوْنَكَ	عَنِ الْخَمْرِ	وَالْمَيْسِرِ ط	قُلْ	فِيْهِمَآ
निहायत रहम करने वाला है	वो सवाल करते हैं आपसे	शराब(नशे) के बारे में	और जुवे के	कह दीजिए	उन दोनों में

اِثْمٌ	كَبِيْرٌ	وَّمَنَافِعُ	لِلنَّاسِ ز	وَاِثْمُهُمَآ	اَكْبَرُ	مِنْ نَّفْعِهِمَا ط
गुनाह है	बहुत बड़ा	और कुछ फ़ायदे हैं	लोगों के लिए	और गुनाह उन दोनों का	ज़्यादा बड़ा है	उन दोनों के फ़ायदे से

وَيَسْـَٔلُوْنَكَ	مَاذَا	يُنْفِقُوْنَ ۵	قُلِ	الْعَفْوَ ط	كَذٰلِكَ	يُبَيِّنُ
और वो सवाल करते हैं आपसे	क्या कुछ	वो ख़र्च करें	कह दीजिए	ज़रूरत से ज़्यादा हो	इसी तरह	वाज़ेह करता है

اللّٰهُ	لَكُمُ	الْاٰيٰتِ	لَعَلَّكُمْ	تَتَفَكَّرُوْنَ ﴿219﴾	فِي الدُّنْيَا	وَالْاٰخِرَةِ ط
अल्लाह	तुम्हारे लिए	आयात	ताकि तुम	तुम ग़ौरो फ़िक्र करो	दुनिया में	और आख़िरत में

وَيَسْـَٔلُوْنَكَ	عَنِ الْيَتٰمٰى ط	قُلْ	اِصْلَاحٌ	لَّهُمْ	خَيْرٌ ط	وَاِنْ
और वो सवाल करते हैं आपसे	यतीमों के बारे में	कह दीजिए	इस्लाह करना	उनकी	बेहतर है	और अगर

تُخَالِطُوْهُمْ	فَاِخْوَانُكُمْ ط	وَاللّٰهُ	يَعْلَمُ	الْمُفْسِدَ	مِنَ الْمُصْلِحِ ط
तुम मिला लो उन्हें	तो वो भाई हैं तुम्हारे	और अल्लाह	जानता है	फ़साद करने वाले को	इस्लाह करने वाले से

وَلَوْ	شَآءَ	اللّٰهُ	لَاَعْنَتَكُمْ ط	اِنَّ	اللّٰهَ	عَزِيْزٌ	حَكِيْمٌ ﴿220﴾
और अगर	चाहता	अल्लाह	अलबत्ता वो मुश्किल में डाल देता तुम्हें	बेशक	अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त है	ख़ूब हिक्मत वाला है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَلَا	تَنْكِحُوا	الْمُشْرِكٰتِ	حَتّٰى	يُؤْمِنَّ ؕ	وَلَاَمَةٌ	مُّؤْمِنَةٌ
और ना	तुम निकाह करो	मुशरिका औरतों से	यहां तक कि	वो ईमान ले आऐं	और अलबत्ता लौंडी	मोमिना

خَيْرٌ	مِّنْ مُّشْرِكَةٍ	وَّلَوْ	اَعْجَبَتْكُمْ ۚ	وَلَا	تُنْكِحُوا	الْمُشْرِكِيْنَ
बेहतर है	मुशरिका औरत से	और अगरचे	वो अच्छी लगे तुम्हें	और ना	तुम निकाह करके दो	मुशरिक मर्दों को

حَتّٰى	يُؤْمِنُوْا ؕ	وَلَعَبْدٌ	مُّؤْمِنٌ	خَيْرٌ	مِّنْ مُّشْرِكٍ	وَّلَوْ
यहां तक कि	वो ईमान ले आऐं	और अलबत्ता गुलाम	मोमिन	बेहतर है	मुशरिक मर्द से	और अगरचे

اَعْجَبَكُمْ ؕ	اُولٰٓئِكَ	يَدْعُوْنَ	اِلَى النَّارِ ۖۚ	وَاللّٰهُ	يَدْعُوْٓا	اِلَى الْجَنَّةِ
वो अच्छा लगे तुम्हें	यही लोग हैं	जो बुलाते हैं	तरफ़ आग के	और अल्लाह	बुलाता है	तरफ़ जन्नत के

وَالْمَغْفِرَةِ	بِاِذْنِهٖ ۚ	وَيُبَيِّنُ	اٰيٰتِهٖ	لِلنَّاسِ	لَعَلَّهُمْ
और बख़्शिश के	अपने इज़्न से	और वो वाज़ेह करता है	आयात अपनी	लोगों के लिए	ताकि वो

27 ع 5 11

يَتَذَكَّرُوْنَ ﴿221﴾ ع	وَيَسْــَٔلُوْنَكَ	عَنِ الْمَحِيْضِ ؕ	قُلْ	هُوَ	اَذًى ۙ
वो नसीहत पकड़ें	और वो सवाल करते हैं आपसे	हैज़ के बारे में	कह दीजिए	वो	अज़ियत है

فَاعْتَزِلُوا	النِّسَآءَ	فِي الْمَحِيْضِ ۙ	وَلَا	تَقْرَبُوْهُنَّ	حَتّٰى	يَطْهُرْنَ ۚ
तो अलग रहो	औरतों से	हैज़ में	और ना	तुम क़रीब जाओ उनके	यहां तक कि	वो पाक हो जाऐं

فَاِذَا	تَطَهَّرْنَ	فَاْتُوْهُنَّ	مِنْ حَيْثُ	اَمَرَكُمُ	اللّٰهُ ؕ	اِنَّ
फिर जब	वो अच्छी तरह पाक हो जाऐं	तो आओ उनके पास	जहां से	हुक्म दिया तुम्हें	अल्लाह ने	बेशक

اللّٰهَ	يُحِبُّ	التَّوَّابِيْنَ	وَيُحِبُّ	الْمُتَطَهِّرِيْنَ ﴿222﴾	نِسَآؤُكُمْ	حَرْثٌ
अल्लाह	मुहब्बत रखता है	बहुत तौबा करने वालों से	और वो मुहब्बत रखता है	पाक साफ़ रहने वालों से	औरतें तुम्हारी	खेती हैं

لَّكُمْ ۪	فَاْتُوْا	حَرْثَكُمْ	اَنّٰى	شِئْتُمْ ۫	وَقَدِّمُوْا	لِاَنْفُسِكُمْ ؕ
तुम्हारे लिए	तो आओ	अपनी खेती में	जिस तरह	चाहो तुम	और आगे भेजो	अपने नफ़्सों के लिए

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَبَشِّرِ	مُّلٰقُوْهُ ؕ	اَنَّكُمْ	وَاعْلَمُوْٓا	اللّٰهَ	وَاتَّقُوا
और ख़ुशख़बरी दे दीजिए	मुलाक़ात करने वाले हो उससे	बेशक तुम	और जान लो	अल्लाह से	और डरो

اَنْ	لِّاَيْمَانِكُمْ	عُرْضَةً	اللّٰهَ	تَجْعَلُوا	وَلَا	الْمُؤْمِنِيْنَ ﴿223﴾
कि	अपनी क़समों के लिए	आड़	अल्लाह को	तुम बनाओ	और ना	ईमान लाने वालों को

سَمِيْعٌ	وَاللّٰهُ	النَّاسِ ؕ	بَيْنَ	وَتُصْلِحُوْا	وَتَتَّقُوْا	تَبَرُّوْا
ख़ूब सुनने वाला है	और अल्लाह	लोगों के	दर्मियान	और (ना) तुम सुलह कराओगे	और(ना) तुम तक़वा करोगे	(ना)तुम नेकी करोगे

وَلٰكِنْ	فِيْٓ اَيْمَانِكُمْ	بِاللَّغْوِ	اللّٰهُ	لَا يُؤَاخِذُكُمُ	عَلِيْمٌ ﴿224﴾
और लेकिन	तुम्हारी क़समों में	साथ लग़व के	अल्लाह	नहीं मुआख़िज़ा करेगा तुम्हारा	ख़ूब जानने वाला है

غَفُوْرٌ	وَاللّٰهُ	قُلُوْبُكُمْ ؕ	كَسَبَتْ	بِمَا	يُّؤَاخِذُكُمْ
बहुत बख़्शने वाला है	और अल्लाह	तुम्हारे दिलों ने	कमाया	बवजह उसके जो	वो मुआख़िज़ा करेगा तुम्हारा

اَرْبَعَةِ	تَرَبُّصُ	مِنْ نِّسَآئِهِمْ	يُؤْلُوْنَ	لِلَّذِيْنَ	حَلِيْمٌ ﴿225﴾
चार	इंतिज़ार करना है	अपनी औरतों से	इला करते हैं	उन लोगों के लिए जो	बहुत हिल्म वाला है

وَاِنْ	رَّحِيْمٌ ﴿226﴾	غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	فَاِنَّ	فَآءُوْ	فَاِنْ	اَشْهُرٍ ۚ
और अगर	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	तो बेशक	वो रुजूअ कर करलें	फिर अगर	महीने

وَالْمُطَلَّقٰتُ	عَلِيْمٌ ﴿227﴾	سَمِيْعٌ	اللّٰهَ	فَاِنَّ	الطَّلَاقَ	عَزَمُوا
और जो तलाक़ याफ्ता औरतें हैं	ख़ूब जानने वाला है	ख़ूब सुनने वाला है	अल्लाह	तो बेशक	तलाक़ का	वो अज़्म कर लें

اَنْ	لَهُنَّ	يَحِلُّ	وَلَا	قُرُوْٓءٍ ؕ	ثَلٰثَةَ	بِاَنْفُسِهِنَّ	يَتَرَبَّصْنَ
कि	उनके लिए	हलाल	और नहीं	हैज़/ तोहर	तीन	अपने आपको	वो इंतिज़ार में रखें

يُؤْمِنَّ	كُنَّ	اِنْ	فِيْٓ اَرْحَامِهِنَّ	اللّٰهُ	خَلَقَ	مَا	يَّكْتُمْنَ
वो ईमान रखतीं	हैं वो	अगर	उनके रहमों में	अल्लाह ने	पैदा किया	जो	वो छुपाऐं

© AL-HADIS INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

بِاللّٰهِ	وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ ط	وَبُعُوْلَتُهُنَّ	اَحَقُّ	بِرَدِّهِنَّ	فِيْ ذٰلِكَ
अल्लाह पर	और आख़िरी दिन पर	और शौहर उनके	ज़्यादा हक़दार हैं	उनको लौटाने के	उसमें

اِنْ	اَرَادُوْٓا	اِصْلَاحًا ط	وَلَهُنَّ	مِثْلُ	الَّذِيْ	عَلَيْهِنَّ
अगर	वो इरादा करें	इस्लाह का	और उनके लिए है	मानिंद	उसके जो	उनके ज़िम्मा है

بِالْمَعْرُوْفِ ص	وَلِلرِّجَالِ	عَلَيْهِنَّ	دَرَجَةٌ ط	وَاللّٰهُ	عَزِيْزٌ
साथ मारूफ़ तरीक़े के	और मर्दों के लिए	उन (औरतों) पर	एक दर्जा है	और अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त है

ع 28 7 12

حَكِيْمٌ ع (228)	اَلطَّلَاقُ	مَرَّتٰنِ ص	فَاِمْسَاكٌۢ	بِمَعْرُوْفٍ	اَوْ
बहुत हिक्मत वाला है	तलाक़	दो बार है	फिर रोक लेना है	साथ भले तरीक़े के	या

تَسْرِيْحٌۢ	بِاِحْسَانٍ ط	وَلَا	يَحِلُّ	لَكُمْ	اَنْ	تَاْخُذُوْا
रुख़्सत कर देना है	साथ एहसान के	और नहीं	हलाल हो सकता	तुम्हारे लिए	कि	तुम ले लो

مِمَّآ	اٰتَيْتُمُوْهُنَّ	شَيْـًٔا	اِلَّآ	اَنْ	يَّخَافَآ	اَلَّا
उसमें से जो	दे दिया है तुमने उन्हें	कुछ भी	मगर	ये कि	वो दोनों डरें	कि ना

يُقِيْمَا	حُدُوْدَ	اللّٰهِ ط	فَاِنْ	خِفْتُمْ	اَلَّا	يُقِيْمَا
वो दोनों क़ायम रख सकेंगे	हुदूद को	अल्लाह की	फिर अगर	ख़ौफ़ खाओ तुम	कि ना	वो दोनों क़ायम रख सकेंगे

حُدُوْدَ	اللّٰهِ لا	فَلَا	جُنَاحَ	عَلَيْهِمَا	فِيْمَا	افْتَدَتْ
हुदूद को	अल्लाह की	तो नहीं	कोई गुनाह	उन दोनों पर	उस (चीज़) में जो	वो औरत फ़िदया दे दे

بِهٖ ط	تِلْكَ	حُدُوْدُ	اللّٰهِ	فَلَا	تَعْتَدُوْهَا ج	وَمَنْ	يَّتَعَدَّ
साथ उस (माल) के	ये	हुदूद हैं	अल्लाह की	तो ना	तुम तजावुज़ करना उनसे	और जो कोई	तजावुज़ करेगा

حُدُوْدَ	اللّٰهِ	فَاُولٰٓئِكَ	هُمُ	الظّٰلِمُوْنَ (229)	فَاِنْ	طَلَّقَهَا
हुदूद से	अल्लाह की	तो यही लोग हैं	वो	जो ज़ालिम हैं	फिर अगर	वो तलाक़ दे दे उसे

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

غَيۡرَهٗ ؕ	زَوۡجًا	تَنۡكِحَ	حَتّٰى	مِنۢ بَعۡدُ	لَهٗ	تَحِلُّ	فَلَا
उसके इलावा	शौहर से	वो निकाह कर ले	यहां तक कि	बाद इसके	उसके लिए	वो हलाल हो सकती	तो नहीं

يَّتَرَاجَعَآ	اَنۡ	عَلَيۡهِمَآ	جُنَاحَ	فَلَا	طَلَّقَهَا	فَاِنۡ
वो बाहम रुजूअ कर लें	यह कि	उन दोनों पर	कोई गुनाह	तो नहीं	वो तलाक़ दे दे उसे	फिर अगर

حُدُوۡدُ	وَتِلۡكَ	اللّٰهِ ؕ	حُدُوۡدَ	يُّقِيۡمَا	اَنۡ	ظَنَّآ	اِنۡ
हुदूद हैं	और ये	अल्लाह की	हुदूद को	वो दोनों क़ायम रखेंगे	कि	वो दोनों समझें	अगर

النِّسَآءَ	طَلَّقۡتُمُ	وَاِذَا	يَّعۡلَمُوۡنَ (230)	لِقَوۡمٍ	يُبَيِّنُهَا	اللّٰهِ
औरतों को	तुम तलाक़ दे दो	और जब	जो इल्म रखते हैं	उन लोगों के लिए	वो वाज़ेह करता है इन्हें	अल्लाह की

سَرِّحُوۡهُنَّ	اَوۡ	بِمَعۡرُوۡفٍ	فَاَمۡسِكُوۡهُنَّ	اَجَلَهُنَّ	فَبَلَغۡنَ
रुख़्सत कर दो उन्हें	या	साथ भले तरीक़े के	तो रोक लो उन्हें	अपनी मुद्दत को	फिर वो पहुंचे

وَمَنۡ	لِّتَعۡتَدُوۡا ۚ	ضِرَارًا	تُمۡسِكُوۡهُنَّ	وَلَا	بِمَعۡرُوۡفٍ ۠
और जो कोई	ताकि तुम ज़्यादती करो	तकलीफ देने के लिए	तुम रोके रखो उन्हें	और ना	साथ भले तरीक़े के

اٰيٰتِ اللّٰهِ	تَتَّخِذُوۡٓا	وَلَا	نَفۡسَهٗ ؕ	ظَلَمَ	فَقَدۡ	ذٰلِكَ	يَّفۡعَلۡ
अल्लाह की आयत को	तुम बनाओ	और ना	अपने नफ़्स पर	उसने ज़ुल्म किया	तो तहक़ीक़	ऐसा	करेगा

عَلَيۡكُمۡ	اَنۡزَلَ	وَمَآ	عَلَيۡكُمۡ	اللّٰهِ	نِعۡمَتَ	وَاذۡكُرُوۡا	هُزُوًا ۟
तुम पर	उसने नाज़िल किया	और जो	जो तुम पर है	अल्लाह की	नेअमत	और याद करो	मज़ाक़

وَاعۡلَمُوۡٓا	اللّٰهَ	وَاتَّقُوا	بِهٖ ؕ	يَعِظُكُمۡ	وَالۡحِكۡمَةِ	مِّنَ الۡكِتٰبِ
और जान लो	अल्लाह से	और डरो	साथ उसके	वो नसीहत करता है तुम्हें	और हिक्मत से	किताब से

النِّسَآءَ	طَلَّقۡتُمُ	وَاِذَا	عَلِيۡمٌ (231) ع	شَىۡءٍ	بِكُلِّ	اللّٰهَ	اَنَّ
औरतों को	तलाक़ दे दो तुम	और जब	खूब जानने वाला है	चीज़ को	हर	अल्लाह	बेशक

ع 29 3 13

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

فَبَلَغْنَ	اَجَلَهُنَّ	فَلَا	تَعْضُلُوْهُنَّ	اَنْ	يَّنْكِحْنَ	اَزْوَاجَهُنَّ
फिर वो पहुंचे	अपनी मुद्दत को	तो ना	तुम रोको उन्हें	कि	वो निकाह करलें	अपने शौहरों से

اِذَا	تَرَاضَوْا	بَيْنَهُمْ	بِالْمَعْرُوْفِ ط	ذٰلِكَ	يُوْعَظُ	بِهٖ
जब	वो बाहम रज़ामंद हो जाऐं	आपस में	भले तरीक़े से	ये (बात)	नसीहत की जाती है	साथ इसके

مَنْ	كَانَ	مِنْكُمْ	يُؤْمِنُ	بِاللّٰهِ	وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ ط	ذٰلِكُمْ
उसको जो	हो	तुममें से	ईमान रखता	अल्लाह पर	और आख़िरी दिन पर	ये (बात)

اَزْكٰى	لَكُمْ	وَاَطْهَرُ ط	وَاللّٰهُ	يَعْلَمُ	وَاَنْتُمْ	لَا تَعْلَمُوْنَ 232
ज़्यादा पाकीज़ा है	तुम्हारे लिए	और ज़्यादा पाक है	और अल्लाह	जानता है	और तुम	नहीं तुम जानते

وَالْوَالِدٰتُ	يُرْضِعْنَ	اَوْلَادَهُنَّ	حَوْلَيْنِ	كَامِلَيْنِ	لِمَنْ
और मांऐं	दूध पिलाऐं	अपनी औलाद को	दो साल	मुकम्मल	उसके लिए जो

اَرَادَ	اَنْ	يُّتِمَّ	الرَّضَاعَةَ ط	وَعَلَى	الْمَوْلُوْدِ لَهٗ	رِزْقُهُنَّ
इरादा करे	कि	वो पूरा करे	रज़ाअत की मुद्दत	और ऊपर	उस (वालिद) के बच्चा है जिसका	ख़ुराक है उन औरतों की

وَكِسْوَتُهُنَّ	بِالْمَعْرُوْفِ ط	لَا تُكَلَّفُ	نَفْسٌ	اِلَّا	وُسْعَهَا ج
और लिबास है उन औरतों का	भले तरीक़े से	ना तकलीफ़ दिया जाए	कोई नफ़्स	मगर	उसकी वुसअत के मुताबिक़

لَا تُضَآرَّ	وَالِدَةٌۢ	بِوَلَدِهَا	وَلَا	مَوْلُوْدٌ لَّهٗ	بِوَلَدِهٖ ق
ना नुक़्सान पहुंचाया जाए	वालिदा को	उसके बच्चे की वजह से	और ना	वालिद को	उसके बच्चे की वजह से

وَعَلَى	الْوَارِثِ	مِثْلُ	ذٰلِكَ ج	فَاِنْ	اَرَادَا	فِصَالًا
और ऊपर	वारिस के है	मिसल	उसी के	फिर अगर	वो दोनों इरादा कर लें	दूध छुड़ाने का

عَنْ تَرَاضٍ	مِّنْهُمَا	وَتَشَاوُرٍ	فَلَا	جُنَاحَ	عَلَيْهِمَا ط	وَاِنْ
बाहम रज़ामंदी से	उन दोनों की	और बाहम मशवरे से	तो नहीं	कोई गुनाह	उन दोनों पर	और अगर

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَلَيْكُمْ	جُنَاحَ	فَلَا	اَوْلَادَكُمْ	تَسْتَرْضِعُوْٓا	اَنْ	اَرَدْتُّمْ
तुम पर	कोई गुनाह	तो नहीं	अपनी औलद को	तुम दूध पिलवाओ	कि	इरादा करो तुम

وَاعْلَمُوْٓا	اللّٰهَ	وَاتَّقُوا	بِالْمَعْرُوْفِ ؕ	اٰتَيْتُمْ	مَّآ	سَلَّمْتُمْ	اِذَا
और जान लो	अल्लाह से	और डरो	मारूफ़ तरीक़े से	देना था तुमने	जो	सुपुर्द करो तुम	जब

يُتَوَفَّوْنَ	وَالَّذِيْنَ	بَصِيْرٌ (233)	تَعْمَلُوْنَ	بِمَا	اللّٰهَ	اَنَّ
फ़ौत कर लिए जाते हैं	और वो जो	ख़ूब देखने वाला है	तुम करते हो	उसे जो	अल्लाह	बेशक

اَرْبَعَةَ	بِاَنْفُسِهِنَّ	يَّتَرَبَّصْنَ	اَزْوَاجًا	وَيَذَرُوْنَ	مِنْكُمْ
चार	अपने आप को	वो इंतिज़ार में रखें	बीवियां	और वो छोड़ जाते हैं	तुम में से

عَلَيْكُمْ	جُنَاحَ	فَلَا	اَجَلَهُنَّ	بَلَغْنَ	فَاِذَا	وَّعَشْرًا ۚ	اَشْهُرٍ
तुम पर	कोई गुनाह	तो नहीं	अपनी इद्दत को	वो पहुंचे	फिर जब	और दस (दिन)	महीने

بِمَا	وَاللّٰهُ	بِالْمَعْرُوْفِ ؕ	فِيْٓ اَنْفُسِهِنَّ	فَعَلْنَ	فِيْمَا
उसकी जो	और अल्लाह	मारूफ़ तरीक़े से	अपने नफ़्सों के बारे में	वो करें	उसमें जो

عَرَّضْتُمْ	فِيْمَا	عَلَيْكُمْ	جُنَاحَ	وَلَا	خَبِيْرٌ (234)	تَعْمَلُوْنَ
इशारा करो तुम	उसमें जो	तुम पर	कोई गुनाह	और नहीं	ख़ूब ख़बर रखने वाला है	तुम करते हो

عَلِمَ	فِيْٓ اَنْفُسِكُمْ ؕ	اَكْنَنْتُمْ	اَوْ	النِّسَآءِ	مِنْ خِطْبَةِ	بِهٖ
जानता है	अपने नफ़्सों में	छुपाए रखो तुम	या	औरतों के	पैग़ामे निकाह से	साथ उसके

اِلَّآ	سِرًّا	لَّا تُوَاعِدُوْهُنَّ	وَلٰكِنْ	سَتَذْكُرُوْنَهُنَّ	اَنَّكُمْ	اللّٰهُ
मगर	छुप कर	ना तुम वादा लो उनसे	और लेकिन	ज़रूर तुम ज़िक्र करोगे उनका	कि बेशक तुम	अल्लाह

النِّكَاحِ	عُقْدَةَ	تَعْزِمُوْا	وَلَا	مَّعْرُوْفًا ۬	قَوْلًا	تَقُوْلُوْا	اَنْ
निकाह के	अक़्द का	तुम अज़्म करो	और ना	भली	बात	तुम कहो	ये कि

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يَعْلَمُ	اللّٰهَ	اَنَّ	وَاعْلَمُوْٓا	اَجَلَهٗ ؕ	الْكِتٰبُ	يَبْلُغَ	حَتّٰى
जानता है	अल्लाह	बेशक	और जान लो	अपनी मुद्दत को	मुक़र्रर मियाद	पहुंच जाए	यहां तक कि

غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	اَنَّ	وَاعْلَمُوْٓا	فَاحْذَرُوْهُ ۚ	فِيْٓ اَنْفُسِكُمْ	مَا
बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	बेशक	और जान लो	पस डरो उससे	तुम्हारे नफ़्सों में है	उसे जो

30 ع 4 14

لَمْ	مَا	النِّسَآءَ	طَلَّقْتُمُ	اِنْ	عَلَيْكُمْ	لَا جُنَاحَ	حَلِيْمٌ (235)
ना	जबकि	औरतों को	तलाक़ दे दो तुम	अगर	तुम पर	नहीं कोई गुनाह	बहुत बुर्दबार है

وَّمَتِّعُوْهُنَّ ۚ	فَرِيْضَةً ۖۚ	لَهُنَّ	تَفْرِضُوْا	اَوْ	تَمَسُّوْهُنَّ
और माल व मता दो उन्हें	कोई महर	उनके लिए	तुमने मुक़र्रर किया	या	तुमने छुआ हो उन्हें

مَتَاعًا	قَدَرُهٗ ۚ	الْمُقْتِرِ	وَعَلَى	قَدَرُهٗ	عَلَى الْمُوْسِعِ
फ़ायदा पहुंचाना है	उसकी वुसअत के मुताबिक़	तंगदस्त के	और ऊपर	उसकी वुसअत के मुताबिक़	ऊपर वुसअत वाले के

طَلَّقْتُمُوْهُنَّ	وَاِنْ	الْمُحْسِنِيْنَ (236)	عَلَى	حَقًّا	بِالْمَعْرُوْفِ ۚ
तलाक़ दे दो तुम उन्हें	और अगर	नेकी करने वालों के	ऊपर	हक़ है	भले तरीक़े से

فَرِيْضَةً	لَهُنَّ	فَرَضْتُمْ	وَقَدْ	تَمَسُّوْهُنَّ	اَنْ	مِنْ قَبْلِ
कोई महर	उनके लिए	मुक़र्रर कर दिया था तुमने	और तहक़ीक़	तुमने छुआ उन्हें	कि	इससे पहले

يَعْفُوَا	اَوْ	يَّعْفُوْنَ	اَنْ	اِلَّآ	فَرَضْتُمْ	مَا	فَنِصْفُ
माफ़ कर दे	या	वो (औरतें) माफ़ करदें	ये कि	मगर	मुक़र्रर कर चुके तुम (महर)	उसका जो	तो आधा है

اَقْرَبُ	تَعْفُوْٓا	وَاَنْ	النِّكَاحِ ؕ	عُقْدَةُ	بِيَدِهٖ	الَّذِيْ
ज़्यादा क़रीब है	तुम माफ़ कर दो	और ये कि	निकाह की	गिरह	जिसके हाथ में है	वो शख़्स

بِمَا	اللّٰهَ	اِنَّ	بَيْنَكُمْ ؕ	الْفَضْلَ	تَنْسَوُا	وَلَا	لِلتَّقْوٰى ؕ
उसे जो	अल्लाह	बेशक	आपस में	एहसान को	तुम भूलो	और ना	तक़वा के

تَعْمَلُوْنَ	بَصِيْرٌ ﴿237﴾	حٰفِظُوْا	عَلَى الصَّلَوٰتِ	وَالصَّلٰوةِ	الْوُسْطٰى ق
तुम अमल करते हो	ख़ूब देखने वाला है	हिफ़ाज़त करो	सब नमाज़ों की	और नमाज़	दर्मियानी की

وَقُوْمُوْا	لِلّٰهِ	قٰنِتِيْنَ ﴿238﴾	فَاِنْ	خِفْتُمْ	فَرِجَالًا	اَوْ
और खड़े हो जाओ	अल्लाह के लिए	फरमांबरदार बन कर	फ़िर अगर	ख़ौफ़ हो तम्हें	तो पैदल(पढ़ लो)	या

رُكْبَانًا ج	فَاِذَآ	اَمِنْتُمْ	فَاذْكُرُوا	اللّٰهَ	كَمَا	عَلَّمَكُمْ	مَّا	لَمْ
सवार होकर	फिर जब	अमन में आ जाओ तुम	तो याद करो	अल्लाह को	जैसा कि	उसने सिखाया तुम्हें	जो	नहीं

تَكُوْنُوْا	تَعْلَمُوْنَ ﴿239﴾	وَالَّذِيْنَ	يُتَوَفَّوْنَ	مِنْكُمْ	وَيَذَرُوْنَ
थे तुम	तुम जानते	और वो लोग जो	फ़ौत कर लिए जाते हैं	तुममें से	और वो छोड़ जाते हैं

اَزْوَاجًا صلے	وَّصِيَّةً	لِّاَزْوَاجِهِمْ	مَّتَاعًا	اِلَى الْحَوْلِ	غَيْرَ
बीवियां	वसीयत (करें)	अपनी बीवियों के लिए	फ़ायदा पहुंचाने की	एक साल तक	बगैर

اِخْرَاجٍ ج	فَاِنْ	خَرَجْنَ	فَلَا	جُنَاحَ	عَلَيْكُمْ	فِيْ مَا	فَعَلْنَ
निकालने के	फिर अगर	वो निकल जाऐं	तो नहीं	कोई गुनाह	तुम पर	उस मामले में जो	वो करें

فِيْٓ اَنْفُسِهِنَّ	مِنْ مَّعْرُوْفٍ ط	وَاللّٰهُ	عَزِيْزٌ	حَكِيْمٌ ﴿240﴾
अपने नफ़्सों के बारे में	भले तरिक़े से	और अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त है	ख़ूब हिक्मत वाला है

وَلِلْمُطَلَّقٰتِ	مَتَاعٌ	بِالْمَعْرُوْفِ ط	حَقًّا	عَلَى الْمُتَّقِيْنَ ﴿241﴾
और तलाक़ याफ़्ता औरतों को	फायदा पहुंचाना है	भले तरिक़े से	हक़ है	मुत्तक़ी लोगों पर

ع 31 7 15

كَذٰلِكَ	يُبَيِّنُ	اللّٰهُ	لَكُمْ	اٰيٰتِهٖ	لَعَلَّكُمْ	تَعْقِلُوْنَ ﴿242﴾ ع	اَلَمْ
इसी तरह	वाज़ेह करता है	अल्लाह	तुम्हारे लिए	अपनी आयात को	ताकि तुम	तुम अक़्ल से काम लो	क्या नहीं

تَرَ	اِلَى	الَّذِيْنَ	خَرَجُوْا	مِنْ دِيَارِهِمْ	وَهُمْ	اُلُوْفٌ
आपने देखा	तरफ़	उनके जो	निकल गए	अपने घरों से	और वो	हज़ारों थे

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

حَذَرَ	الْمَوْتِ ۖ	فَقَالَ	لَهُمُ	اللّٰهُ	مُوْتُوْا ۗ قف	ثُمَّ	اَحْيَاهُمْ ۭ
बचने के लिए	मौत से	तो कहा	उन्हें	अल्लाह ने	मर जाओ	फिर	उसने ज़िंदा किया उन्हें

اِنَّ	اللّٰهَ	لَذُوْ فَضْلٍ	عَلَى النَّاسِ	وَلٰكِنَّ	اَكْثَرَ	النَّاسِ
बेशक	अल्लाह	यक़ीनन फ़ज़्ल वाला है	लोगों पर	और लेकिन	अक्सर	लोग

لَا يَشْكُرُوْنَ (243)	وَقَاتِلُوْا	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	وَاعْلَمُوْٓا	اَنَّ	اللّٰهَ
नहीं वो शुक्र करते	और जंग करो	अल्लाह के रास्ते में	और जान लो	बेशक	अल्लाह

سَمِيْعٌ	عَلِيْمٌ (244)	مَنْ	ذَا الَّذِيْ	يُقْرِضُ	اللّٰهَ	قَرْضًا	حَسَنًا
ख़ूब सुनने वाला है	ख़ूब जानने वाला है	कौन है	वो जो	क़र्ज़ दे	अल्लाह को	क़र्ज़	अच्छा

فَيُضٰعِفَهٗ	لَهٗٓ	اَضْعَافًا	كَثِيْرَةً ۭ	وَاللّٰهُ	يَقْبِضُ	وَيَبْصُۜطُ ۖ
तो वो बढ़ा दे उसे	उसके लिए	कई गुना	ज़्यादा	और अल्लाह	तंगी करता है	और वो कुशादगी करता है

وَاِلَيْهِ	تُرْجَعُوْنَ (245)	اَلَمْ	تَرَ	اِلَى	الْمَلَاِ	مِنْۢ بَنِيْٓ اِسْرَاۗءِيْلَ
और तरफ़ उसी के	तुम लौटाए जा ओगे	क्या नहीं	आपने देखा	तरफ़	सरदारों के	बनी इस्राईल में से

مِنْۢ بَعْدِ	مُوْسٰى ۘ	اِذْ	قَالُوْا	لِنَبِيٍّ	لَّهُمُ	ابْعَثْ	لَنَا
बाद	मूसा के	जब	उन्होंने कहा	नबी के लिए	अपने	मुक़र्रर कर	हमारे लिए

وقف لازم

مَلِكًا	نُّقَاتِلْ	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ ۭ	قَالَ	هَلْ	عَسَيْتُمْ	اِنْ
एक बादशाह	हम लड़ें	अल्लाह के रास्ते में	उसने कहा	क्या	उम्मीद है तुमसे	अगर

كُتِبَ	عَلَيْكُمُ	الْقِتَالُ	اَلَّا	تُقَاتِلُوْا ۭ	قَالُوْا	وَمَا	لَنَآ
लिख दिया जाए	तुम पर	जंग करना	कि ना	तुम लड़ो	उन्होंने कहा	और क्या है	हमें

اَلَّا	نُقَاتِلَ	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	وَقَدْ	اُخْرِجْنَا	مِنْ دِيَارِنَا
कि ना	हम लड़ें	अल्लाह के रास्ते में	हालांकि तहक़ीक़	निकाले गए हम	अपने घरों से

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَ اَبْنَآئِنَا ؕ	فَلَمَّا	كُتِبَ	عَلَيْهِمُ	الْقِتَالُ	تَوَلَّوْا	اِلَّا	قَلِيْلًا
और अपने बेटों से	फिर जब	लिख दिया गया	उन पर	लड़ना	तो वो फिर गए	मगर	थोड़े से

مِّنْهُمْ ؕ	وَاللّٰهُ	عَلِيْمٌۢ	بِالظّٰلِمِيْنَ ﴿246﴾	وَقَالَ	لَهُمْ	نَبِيُّهُمْ
उनमें से	और अल्लाह	ख़ूब जानने वाला है	ज़ालिमों को	और कहा	उन्हें	उनके नबी ने

اِنَّ	اللّٰهَ	قَدْ	بَعَثَ	لَكُمْ	طَالُوْتَ	مَلِكًا ؕ	قَالُوْٓا	اَنّٰى
बेशक	अल्लाह ने	तहक़ीक़	मुक़र्रर कर दिया है	तुम्हारे लिए	तालूत को	बादशाह	उन्होंने कहा	कैसे

يَكُوْنُ	لَهُ	الْمُلْكُ	عَلَيْنَا	وَنَحْنُ	اَحَقُّ	بِالْمُلْكِ	مِنْهُ
हो सकती है	उसके लिए	बादशाहत	हम पर	हालांकि हम	ज़्यादा हक़दार हैं	बादशाहत के	उससे

وَلَمْ	يُؤْتَ	سَعَةً	مِّنَ الْمَالِ ؕ	قَالَ	اِنَّ	اللّٰهَ	اصْطَفٰهُ
और नहीं	वो दिया गया	वुसअत	माल से	उसने कहा	बेशक	अल्लाह ने	चुन लिया है उसे

عَلَيْكُمْ	وَزَادَهٗ	بَسْطَةً	فِى الْعِلْمِ	وَالْجِسْمِ ؕ	وَاللّٰهُ	يُؤْتِىْ
तुम पर	और उसने ज़्यादा दी है उसे	वुसअत	इल्म में	और जिस्म में	और अल्लाह	देता है

مُلْكَهٗ	مَنْ	يَّشَآءُ ؕ	وَاللّٰهُ	وَاسِعٌ	عَلِيْمٌ ﴿247﴾	وَقَالَ	لَهُمْ
बादशाहत अपनी	जिसे	वो चाहता है	और अल्लाह	वुसअत वाला है	ख़ूब जानने वाला है	और कहा	उन्हें

نَبِيُّهُمْ	اِنَّ	اٰيَةَ	مُلْكِهٖٓ	اَنْ	يَّاْتِيَكُمُ	التَّابُوْتُ	فِيْهِ
उनके नबी ने	बेशक	निशानी	उसकी बादशाहत की	कि	आ जाएगा तुम्हारे पास	ताबूत / संदूक़	जिसमें

سَكِيْنَةٌ	مِّنْ رَّبِّكُمْ	وَبَقِيَّةٌ	مِّمَّا	تَرَكَ	اٰلُ مُوْسٰى
तस्कीन है	तुम्हारे रब की तरफ़ से	और बाक़ी मांदा	उसमें से जो	छोड़ गए	आले मूसा

وَاٰلُ هٰرُوْنَ	تَحْمِلُهُ	الْمَلٰٓئِكَةُ ؕ	اِنَّ	فِىْ ذٰلِكَ	لَاٰيَةً
और आले हारून	उठाए हुए होंगे उसे	फ़रिश्ते	बेशक	उसमें	अलबत्ता एक निशानी है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 32 6 16

لَكُمْ	اِنْ	كُنْتُمْ	مُّؤْمِنِيْنَ ۚ (248)	فَلَمَّا	فَصَلَ	طَالُوْتُ
तुम्हारे लिए	अगर	हो तुम	ईमान लाने वाले	पस जब	जुदा हुआ	तालूत

بِالْجُنُوْدِ ۙ	قَالَ	اِنَّ	اللّٰهَ	مُبْتَلِيْكُمْ	بِنَهَرٍ ۚ	فَمَنْ
साथ लश्करों के	उसने कहा	बेशक	अल्लाह	आज़माने वाला है तुम्हें	एक नहर से	तो जिसने

شَرِبَ	مِنْهُ	فَلَيْسَ	مِنِّيْ ۚ	وَمَنْ	لَّمْ	يَطْعَمْهُ	فَاِنَّهٗ
पिया	उससे	तो नहीं वो	मुझसे	और जिसने	ना	चखा उसे	तो बेशक वो

مِنِّيْٓ	اِلَّا	مَنِ	اغْتَرَفَ	غُرْفَةً ۢ	بِيَدِهٖ ۚ	فَشَرِبُوْا	مِنْهُ
मुझसे है	मगर	जो	चुल्लु भर ले	एक चुल्लु	अपने हाथ से	तो उन्होंने पी लिया	उससे

اِلَّا	قَلِيْلًا	مِّنْهُمْ ۭ	فَلَمَّا	جَاوَزَهٗ	هُوَ	وَالَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا
मगर	बहुत थोड़े	उनमें से	फिर जब	उसने पार किया उसे	उसने	और उन्होंने जो	ईमान लाए थे

مَعَهٗ ۙ	قَالُوْا	لَا طَاقَةَ	لَنَا	الْيَوْمَ	بِجَالُوْتَ	وَجُنُوْدِهٖ ۭ
साथ उसके	उन्होंने कहा	नहीं कोई ताक़त	हमारे लिए	आज	साथ जालूत	और उसके लश्करों के

قَالَ	الَّذِيْنَ	يَظُنُّوْنَ	اَنَّهُمْ	مُّلٰقُوا	اللّٰهِ ۙ	كَمْ
कहा	उन्होंने जो	यक़ीन रखते थे	कि बेशक वो	मुलाक़ात करने वाले हैं	अल्लाह से	कितनी ही

مِّنْ فِئَةٍ	قَلِيْلَةٍ	غَلَبَتْ	فِئَةً	كَثِيْرَةً ۢ	بِاِذْنِ اللّٰهِ ۭ
जमाअतें	कम (तादाद) की	ग़ालिब आ जाती है	जमाअतों पर	कसीर(तदाद) की	अल्लाह के इज़्न से

وَاللّٰهُ	مَعَ	الصّٰبِرِيْنَ (249)	وَلَمَّا	بَرَزُوْا	لِجَالُوْتَ	وَجُنُوْدِهٖ
और अलाह	साथ है	सब्र करने वालों के	और जब	वो सामने हुए	जालूत के	और उसके लश्करों के

قَالُوْا	رَبَّنَآ	اَفْرِغْ	عَلَيْنَا	صَبْرًا	وَّثَبِّتْ	اَقْدَامَنَا
उन्होंने कहा	ऐ हमारे रब	डाल दे	हम पर	सब्र	और जमा दे	हमारे क़दमों को

AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَانْصُرْنَا	عَلَى الْقَوْمِ	الْكٰفِرِيْنَ ﴿250﴾ ط	فَهَزَمُوْهُمْ	بِاِذْنِ اللّٰهِ قف
और मदद कर हमारी	उस क़ौम पर	जो काफ़िर है	तो उन्होंने शिकस्त दे दी उन्हें	अल्लाह के इज़्न से

وَقَتَلَ	دَاوٗدُ	جَالُوْتَ	وَاٰتٰىهُ	اللّٰهُ	الْمُلْكَ	وَالْحِكْمَةَ
और क़त्ल कर दिया	दाऊद ने	जालूत को	और अता की उसे	अल्लाह ने	बादशाहत	और हिक्मत

وَعَلَّمَهٗ	مِمَّا	يَشَآءُ ط	وَلَوْلَا	دَفْعُ	اللّٰهِ	النَّاسَ
और उसने सिखाया उसे	उसमें से जो	उसने चाहा	और अगर ना होता	हटा देना	अल्लाह का	लोगों को

بَعْضَهُمْ	بِبَعْضٍ لا	لَّفَسَدَتِ	الْاَرْضُ	وَلٰكِنَّ	اللّٰهَ
उनके बाज़ को	साथ बाज़ के	अलबत्ता फ़साद फैल जाता	ज़मीन में	और लेकिन	अल्लाह

ذُوْ فَضْلٍ	عَلَى الْعٰلَمِيْنَ ﴿251﴾	تِلْكَ	اٰيٰتُ	اللّٰهِ	نَتْلُوْهَا
फ़ज़्ल वाला है	तमाम जहांन वालों पर	ये	आयात हैं	अल्लाह की	हम पढ़ते हैं इन्हें

عَلَيْكَ	بِالْحَقِّ ط	وَاِنَّكَ	لَمِنَ الْمُرْسَلِيْنَ ﴿252﴾
आप पर	साथ हक़ के	और बेशक आप	अल्लबता रसूलों में से हैं

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION